● वर्ष-12 अंक-26 ● भोपाल ● बुधवार, 28 जनवरी, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● माघ शुक्ल पक्ष -10 ● विक्रम संवत् 2082

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

महाराष्ट्र डिप्टी सीएम अजित पवार का प्लेन क्रैश में निधन

विमान में सवार सभी लोग मारे गए, बारामती में लैंडिंग के दौरान हादसा

मुंबई ● यशभारत
yashbharat.co.in

महाराष्ट्र के डिप्टी मुख्यमंत्री और वरिष्ठ एनसीपी नेता अजित पवार के निजी विमान के बारामती (पुणे) में लैंडिंग के दौरान क्रैश हो जाने की भारी दुर्घटना सामने आई है। घटना बुधवार सुबह तब हुई जब विमान बारामती एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहा था। विमान लैंडिंग के समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित लगभग 5 लोगों की मौत हुई है।

घटना स्थल से विडियो में विमान के मलबे और आग के ऊपर उठता धुआँ साफ देखा गया है। स्थानीय प्रशासन और रेस्क्यू टीम घटना स्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य कर रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह क्रैश लैंडिंग थी या कोई तकनीकी खराबी हादसे की वजह बनी। अन्य सवारियों के बारे में जानकारी तथा आधिकारिक बयानों का इंतजार जारी है। विमान बारामती में किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहा था। लैंडिंग के प्रयास के दौरान अचानक यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे की वजह और विस्तृत आंकड़ों पर प्रशासन की जांच जारी है। सूचना अभी भी अपडेट हो रही है । अधिकृत बयान आने पर ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी। इस हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। चारों ओर विमान का मलबा बिखरा हुआ है। मौके पर तुरंत एंबुलेंस पहुंच गई है और मृतकों को नजदीकी अस्पताल में ले जाया जा रहा है। इस भीषण हादसे में विमान के परखच्चे उड़ गए हैं और मौके पर बचाव दल तैनात है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा 28 जनवरी 2026 की सुबह उस समय हुआ जब विमान बारामती में लैंड करने की कोशिश कर रहा था। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, अजित पवार किसी स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यहां पहुंच रहे थे, लेकिन रनवे पर उतरने से पहले ही विमान अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया। अभी तक यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हादसा किसी गंभीर तकनीकी खराबी के कारण हुआ या फिर पायलट को आपातकालीन स्थिति में क्रैश लैंडिंग का सहारा लेना पड़ा। हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विमान खेत में जा गिरा और देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों पर वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में दुर्घटना की विचलित करने वाली झलक देखी जा सकती है। घटनास्थल से जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें विमान पूरी तरह से जलकर राख होता दिखाई दे रहा है। विमान के गिरने के बाद आसमान में गहरे काले धुएं का गुबार उठता देखा गया, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि विमान के गिरने के बाद हुए धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनी गई। घटनास्थल पर विमान के मलबे के चीथड़े बिखरे हुए हैं, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि टक्कर कितनी जोरदार रही होगी। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में क्रैश साइट पर जमा हो गए हैं और राहत कार्यों में मदद की कोशिश कर रहे हैं।

जांच के घेरे में विमान की तकनीकी स्थिति

विमानन विशेषज्ञों के अनुसार, लैंडिंग के समय विमान का क्रैश होना कई कारणों से हो सकता है, जिनमें अचानक इंजन का फेल होना, हवा के दबाव में बदलाव या पायलट की दृश्यता में कमी शामिल हो सकती है। इस विशेष हादसे की जांच के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की टीम भी शामिल हो सकती है, जो यह पता लगाएगी कि क्या विमान के रखरखाव में कोई कमी थी या यह एक मानवीय भूल का परिणाम था।फिलहाल, बारामती और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच टीमें साक्ष्य जुटाने में लगी हुई हैं।

महाराष्ट्र में तीन दिनों का राजकीय शोक

अजित पवार के निधन पर महाराष्ट्र में तीन दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है. सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसका ऐलान किया है. उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हादसे पर दुख भी जताया और फोन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को हादसे की जानकारी भी दी. सीएम फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र के लिए आज का दिन दुखद है. वहीं डिप्टी सीएम एकनाथ शिंद ने हादसे की जांच की अपील की है।

इंदौर के दूषित पेयजल मामले की होगी न्यायिक जांच, आयोग का गठन; अब तक 29 लोगों की मौत

इंदौर ● यशभारत
yashbharat.co.in

इंदौर शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल से 29 मौतों और 3300 से अधिक लोगों के बीमार होने के मामले की अब न्यायिक जांच की जाएगी। इसके लिए हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुशील कुमार गुप्ता के न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया है। इस आयोग को चार सप्ताह के भीतर हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के समक्ष अपनी अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। मामले में अगली सुनवाई पांच मार्च 2026 को होगी। दरअसल, भागीरथपुरा दूषित जल मामले में पांच जनहित याचिकाओं की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था, जो मंगलवार देर शाम जारी हुआ। हाई कोर्ट ने न्यायिक जांच के आदेश जारी करते हुए कहा कि मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष आयोग से जांच करवाना आवश्यक है, ताकि वास्तविकता का पता लगाया जा सके। कोर्ट ने जिला प्रशासन, नगर निगम, पीएचई और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जांच में पूरा सहयोग देने और आवश्यक रिकार्ड और जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कहा है। यह न्यायिक आयोग भागीरथपुरा में पानी के दूषित होने के कारण, मृतकों की वास्तविक संख्या, स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के निगम के दावों सहित अन्य बिंदुओं पर जांच करेगा। आयोग को कार्यालय, स्टाफ, आने-जाने की सुविधा शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। मंगलवार को लगभग पौने दो घंटे हाई कोर्ट में सुनवाई चली। इस दौरान शासन द्वारा प्रस्तुत डेथ ऑडिट रिपोर्ट पर कई सवाल उठाए गए। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक 23 मौतों का विश्लेषण किया गया है, जिनमें से 16 मौतें दूषित पानी से हुई हैं। तीन मौतों का कारण स्पष्ट नहीं है, जबकि चार मौतें अन्य बीमारियों से हुई हैं । इस पर कोर्ट ने सवाल उठाया कि बिना पोस्टमार्टम के यह कैसे तय किया गया कि दूषित पानी के कारण केवल 16 मौतें हुई हैं। यह समिति आखिर इन 16 मौतों तक कैसे पहुंची? इस निष्कर्ष के क्या आधार थे? इस पर सीएमएचओ ने जवाब दिया कि वर्बल आटोप्सी की गई थी। कोर्ट ने सवाल किया कि वर्बल आटोप्सी क्या होती है, तो वे बगलें झांकने लगे। याचिकाकर्ताओं ने शासन द्वारा डेथ आडिट के लिए गठित समिति पर भी सवाल उठाए। वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया ने कहा कि जो समिति बनी, वह भी सरकारी मेडिकल प्रोफेसर की है, तो रिपोर्ट कैसे सही मानी जा सकती है। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्पष्ट होना चाहिए कि आखिर मौतें किस वजह से हुईं।

हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में जल्द परोसा जाएगा मांसाहारी भोजन

कोलकाता ● एजेंसी
yashbharat.co.in

हावड़ा-कामाख्या के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की व्यंजन सूची में जल्द ही मांसाहारी भोजन के विकल्प भी शामिल किए जाएंगे। पूर्व रेलवे (पूरे) के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सप्ताह में छह दिन चलने वाली इस रात्रिकालीन ट्रेन में फिलहाल केवल शाकाहारी भोजन परोसे जाने को लेकर यात्रियों के एक वर्ग ने आपत्ति जताई थी। पूर्व रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की व्यंजन सूची में मांसाहारी भोजन के विकल्प उपलब्ध होने की संभावना है। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री

व बंगाल के पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा है कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें आश्वस्त किया है कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में भी मांसाहारी भोजन के विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे। बंगाल और असम के लोग अधिकांशतः मांसाहारी हैं, इसलिए वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में ऐसे व्यंजन परोसे जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने 17 जनवरी को ट्रेन को हरी झंडी दिखायी थी। इसने 22 जनवरी को गुवाहाटी के कामाख्या स्टेशन से और अगले दिन हावड़ा से अपनी नियमित व्यावसायिक सेवा शुरू की। रेलवे ने यह भी आश्वासन दिया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में परोसा जाने वाला भोजन स्थानीय स्वाद से भरपूर होगा यानी कामाख्या से रवाना होने वाली ट्रेन में असमिया व्यंजन और हावड़ा से रवाना होने वाली ट्रेन में बंगाल के स्थानीय व्यंजन होंगे। बंगाल और असम दोनों राज्यों के स्थानीय व्यंजनों में मछली और मांस सहित मांसाहारी व्यंजनों की प्रमुख भूमिका है। रेलवे की अन्य प्रीमियम रेलगाड़ियों जैसे राजधानी एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस और वंदे भारत ट्रेन में पहले से ही यात्रियों को मांसाहारी भोजन के विकल्प उपलब्ध हैं।

किसानों से धोखाधड़ी की तो खैर नहीं!

घटिया बीज बेचा तो होगी 3 साल की जेल और 30 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली ● एजेंसी
yashbharat.co.in

किसानों के भरोसे के साथ खिलवाड़ करने वाले नकली और घटिया बीज कारोबारियों पर अब सरकार बड़ी चोट करने जा रही है. केंद्र सरकार बजट सत्र में करीब सात दशक पुराने 'सीड एक्ट' को बदलकर एक आधुनिक और बेहद सख्त कानून लाने की तैयारी में है. इस नई व्यवस्था में बीज की गुणवत्ता, जवाबदेही और पारदर्शिता को सबसे ऊपर रखा गया है. 1966 में बने मौजूदा कानून में दोषियों पर महज 500 रुपये के जुर्माने का प्रावधान था, जिसका फायदा उठाकर अपराधी आसानी से बच निकलते थे. लेकिन अब नए कानून के तहत जानबूझकर घटिया बीज बेचने वालों को 3 साल तक की जेल और 30 लाख रुपये तक के भारी जुर्माने का सामना करना पड़ेगा.

क्यूआर कोड से होगी पहचान

नए सीड बिल की सबसे बड़ी ताकत इसकी 'ट्रेसिबिलिटी' व्यवस्था है. अब बाजार में बिकने वाले हर बीज के पैकेट पर एक क्यूआर कोड होगा, जिससे उसकी पूरी कुंडली निकाली जा सकेगी. इसे स्कैन करते ही किसान को पता चल जाएगा कि बीज कहां पैदा हुआ, किस मशीन में साफ किया गया और किस दुकानदार के जरिए उन तक पहुंचा. इस डिजिटल निगरानी के लागू होते ही नकली बीजों का बाजार में टिकना मुश्किल हो जाएगा. सरकार का मकसद बीज की सप्लाई चैन की हर कड़ी को जवाबदेह बनाना है ताकि दोषी की पहचान तुरंत की जा सके और किसानों को होने वाले नुकसान को रोका जा सके.

रजिस्ट्रेशन होगा अनिवार्य

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साफ कर दिया है कि बीज सिर्फ खेती का सामान नहीं, बल्कि किसानों की जिंदगी और देश की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा मामला है. इसीलिए अब सभी बीज कंपनियों, प्रोसेसिंग यूनिट, डीलरों और पौध नर्सरियों का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा. इससे न केवल फर्जी और बिना लाइसेंस वाली कंपनियों पर लगाम लगेगी, बल्कि किसानों को भी यह यकीन होगा कि वे एक रजिस्टर्ड और भरोसेमंद दुकान से ही बीज खरीद रहे हैं. इस कदम से बाजार में केवल वही लोग टिक पाएंगे जो नियमों का पालन करेंगे और अच्छी क्वालिटी के बीज किसानों तक पहुंचाएंगे.

कारोबारियों पर होगी कार्रवाई

सरकार ने नए कानून में सख्ती के साथ संतुलन बनाने की भी कोशिश की है. यह साफ किया गया है कि नया कानून किसानों की पुरानी और पारंपरिक बीज व्यवस्था में कोई दखल नहीं देगा. किसान अपने खुद के बीज बो सकेंगे, आपस में बदल सकेंगे और गांवों में बीज के लेनदेन की परंपरा पहले की तरह ही सुरक्षित रहेगी. कानून का डंडा सिर्फ उन लोगों पर चलेगा जो मुनाफे के चक्कर में नकली और घटिया बीज का धंधा करते हैं. इस विधेयक के जरिए सरकार ने साफ संदेश दिया है कि किसानों के हक को मारना अब कोई छोटा अपराध नहीं माना जाएगा और दोषियों को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी.

कोलकाता में भीषण अग्निकांड में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 16, सरकार ने की आर्थिक सहायता की घोषणा

कोलकाता ● एजेंसी
yashbharat.co.in

कोलकाता के आनंदपुर के नाजीराबाद में एक प्रसिद्ध मोमो चेन के कारखाने और डेकोरेटर के गोदाम में लगी भीषण आग की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है तथा 10 लोग अब भी लापता हैं। स्वजन ने स्थानीय थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सोमवार तड़के लगी इस आग में कल आठ लोगों के शव बरामद हुए थे। मंगलवार को आठ और शव बरामद हुए। राज्य सरकार ने मृतकों के स्वजन को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। दो गोदामों में भारी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग तेजी से फैली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लपटें इतनी भयावह थीं कि अंदर फंसे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। समाचार लिखे जाने तक मंगलवार को भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। स्थानीय लोगों और प्रशासन को अंदेशा है कि मलबे के नीचे दबे होने के कारण मृतकों की संख्या में अभी और इजाफा हो सकता है। मंगलवार सुबह जब फोरेंसिक टीम और अधिकारी अंदर पहुंचे तो मंजर खौफनाक था। बरामद किए गए शव इस कदर झुलस चुके थे कि उनकी पहचान करना असंभव है। प्रशासन ने डीएनए और फोरेंसिक जांच के लिए अवशेषों को लैब भेजा है।

मध्य पूर्व में युद्ध की आशंका तेज, ट्रंप की चेतावनी से बढ़ा तनाव

वाशिंगटन ● एजेंसी
yashbharat.co.in

अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव एक बार फिर गंभीर हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अमेरिका का एक शक्तिशाली जंगी बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है। इसके बाद मध्य पूर्व में युद्ध की आशंका और गहरा गई है। रक्षा विभाग के अनुसार, कई युद्धपोत और विमानवाहक पोत पहले ही रणनीतिक इलाकों में तैनात किए जा चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर में आया बर्फीला तूफान, बर्फ में ढंकी सारी इमारतें

दिल्ली से लेकर उत्तराखंड तक बारिश का कहर, जमकर बरसे ओले

नई दिल्ली ● एजेंसी
yashbharat.co.in

देश के अलग-अलग हिस्सों में इन दिनों मौसम ने अचानक करवट ली है. कई राज्यों में तेज बारिश के साथ-साथ जमकर ओले बरसे . मौसम के बदलते मिजाज से ठंड बढ़ गई है, जिसने किसानों और आम जनता को मुश्किल में डाल दिया है. मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने की वजह से ये हालात बने हुए हैं . उत्तर भारत की बात करें तो दिल्ली-एनसीआर, यूपी, बिहार, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कई इलाकों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे हैं. कुछ जगहों पर ओले इतने बड़े थे कि फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है. गेहूं, सरसों और

सब्जियों की फसल को नुकसान होने से किसान परेशान हैं. कई गांवों में खेतों में पानी भर गया है, जिससे कटाई का काम भी रुक गया. उधर जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग अंतर्गत सरबल में भीषण हिमस्खलन हुआ है। इसमें कई घर और वाहन शक्तिशाली हिमस्खलन की चपेट में आ गए। सोनमर्ग में लगातार जारी बर्फबारी से मंगलवार रात एवलांच (हिमस्खलन) आया। एवलांच में फिलहाल किसी की मौत या घायल होने की खबर नहीं है। कई होटलों को नुकसान पहुंचा।

अधिकारियों ने बताया कि एवलांच मंगलवार रात 10.12 बजे मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में सोनमर्ग रिजॉर्ट में हुआ। बचाव टीमों को घटनास्थल पर भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं।बर्फ के इस तूफान में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, हिमस्खलन का जो वीडियो सामने आया है, उसे देख लगता है कि इससे काफी नुकसान हो सकता है। वीडियो में नजर आ रहा कि पूरा इलाका हिमस्खलन में बर्फ के तूफान के नीचे दब गया। सोनमर्ग में हुए हिमस्खलन के कई वीडियो सामने आ रहे। इसके से एक वीडियो में है, जिसमें रात का सन्नाटा है और कोई भी शख?स घर के बाहर नहीं है। ऐसे में घरों के पीछे से बर्फ के बड़े पहाड़ दरकते हैं। बर्फ का तूफान पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लेता है। सड़कों, घरों, कारों सभी को बर्फ के तूफान ने ढक दिया। यह वीडियो इतना भयावह है कि लोग दहशत में आ गए हैं। इस बर्फ के नीचे यकीनन कई लोग दबे होंगे। वैसे, प्रशासन की ओर से इस हिमस्खलन में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं दी गई है।

ऊंचाई वाले इलाके में अधिक बर्फबारी की संभावना

गुलमर्ग और पहलगाम जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी अधिक हो सकती है। गुलमर्ग में तापमान माइनस 9 डिग्री तक जाने की आशंका है। इससे स्कीइंग और पर्यटन गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। दक्षिण कश्मीर के कुछ क्षेत्रों में भारी बर्फ के चलते हिमस्खलन का खतरा बना है। जम्मू संभाग के मैदानी इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। तापमान 10-20 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। सुबह में हल्का कोहरा भी दिख सकता है। मौसम विभाग ने जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर यातायात बाधित होने की चेतावनी दी है, इसलिए यात्रा से पहले हालात जांचना जरूरी होगा।

जम्मू-कश्मीर का मौसम कैसा?

जम्मू-कश्मीर में आज मौसम पूरी तरह सर्दी के रंग में रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कश्मीर घाटी और पीर पंजाल क्षेत्र में बादल छाए रहेंगे। कई क्षेत्रों में हल्की से लेकर मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार ठंड और नमी बढ़ेंगी। उससे लोगों को ज्यादा सर्दी महसूस होगी। श्रीनगर में बादल छाए रहने की संभावना है। कहीं-कहीं हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। न्यूनतम तापमान 0 से नीचे माइनस 1 डिग्री तक जा सकता है। दिन का तापमान 2 से 3 डिग्री के आसपास रहेगा। तेज ठंडी हवाओं के कारण ठंड और ज्यादा चुभेगी।

विशाल शिवलिंग श्रद्धालुओं को करता है मंत्रमुग्ध

आस्था, इतिहास और स्थापत्य का संगम भोजपुर मंदिर

भोपाल, यशभारत।

राजधानी भोपाल से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित पौराणिक भोजपुर मंदिर श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। विशाल आकृति में विराजमान भगवान शिव के कारण यह मंदिर न केवल मध्य प्रदेश बल्कि देश-विदेश में अपनी अलग पहचान रखता है। भोपाल सहित प्रदेश के अन्य जगहों के साथ ही देशभर से लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं। 26 जनवरी पर अवकाश के दिन लोगों की भीड़ यहां उमड़ पड़ी। यश भारत न्यूज़ भोपाल की टीम ने भोजपुर मंदिर पहुंचकर इसकी विशेषताओं को जाना और दर्शनार्थियों से बातचीत की।

भोजपुर मंदिर का इतिहास सदियों पुराना बताया जाता है। माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण परमार वंश के महान शासक राजा भोज द्वारा 11वीं सदी में कराया गया था। मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित विशाल शिवलिंग है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में गहरी आस्था है। स्थानीय लोगों और दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं का कहना है कि यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा शिवलिंग है। शिवलिंग की ऊंचाई और उसकी भव्यता को देखकर लोग आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

मंदिर की बनावट अपने आप में अद्भुत है। विशाल पत्थरों से निर्मित यह शिव मंदिर प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला का बेजोड़ उदाहरण माना जाता है। पत्थरों पर उकेरी गई कलाकृतियां, स्तंभों की नक्काशी और गर्भगृह की विशालता हर किसी का मन मोह लेती है। मंदिर को देखकर यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि उस समय के शिल्पकारों और वास्तुकारों का ज्ञान कितना उन्नत रहा होगा।

श्रद्धालुओं के बीच एक प्रचलित मान्यता यह भी है कि भोजपुर मंदिर का निर्माण एक ही रात में किया गया था। हालांकि ऐतिहासिक रूप से इसके अधूरे रहने की भी चर्चा होती है, लेकिन आस्था के नजरिए से भक्त इसे चमत्कार से कम नहीं मानते। यश भारत न्यूज़ से बातचीत में कई श्रद्धालुओं ने बताया कि यहां आने के बाद उन्हें विशेष शांति और ऊर्जा की अनुभूति होती है।

मंदिर परिसर में श्रद्धा और समर्पण का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है। सुबह से ही दूर-दूर से आए श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजन करते नजर आते हैं। सावन, महाशिवरात्रि और विशेष पर्वों पर यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। देश के कोने-कोने से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी पर्यटक और श्रद्धालु भोजपुर मंदिर के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

भोजपुर मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि पर्यटन के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहाड़ियों और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित यह मंदिर इतिहास, कला और आस्था का अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। श्रद्धालुओं का कहना है कि भोजपुर मंदिर की भव्यता और शिवलिंग की विशालता को शब्दों में बयान करना कठिन है, इसे केवल देखकर और महसूस करके ही समझा जा सकता है।

मार्टिनेट विद्यालय में उत्साह के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

आष्टा, यशभारत।

26 जनवरी की तारीख भारत वर्ष के लिये विशेष महत्व रखते है क्योकि इसी दिन भारत का संविधान लागू हुआ था और भारत को अंग्रेजो से आजादी के बाद एक स्वतंत्र गणराज्य का दर्जा प्राप्त हुआ था इसलिये 26 जनवरी को प्रतिवर्ष हम गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय पर्व के रूप मे बड़े उत्साह के साथ मनाते है इसी तारतम्य मे नगर के अलीपुर क्षेत्र मे नौशे खान के संचालन और विनीत कुमार त्रिवेदी के प्रबंधन मे संचालित मार्टिनेट कान्वेन्ट हॉयर सैकेण्ड्री स्कूल मे विश्व के सबसे लोकतंत्र के गणतंत्र दिवस का उत्सव बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया तथा विद्यार्थियों द्वारा मंच पर देश भक्ति से ओत प्रोत प्रस्तुतिया दी गई जिसने सभी का मन मोह लिया।

इस भव्य समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप मे पधारे हुये नगर पालिका आष्टा अध्यक्ष प्रतिनिधी रायसिंह मेवाड़ा के साथ नगरपालिका परिषद् आष्टा के पार्षदगण रवि शर्मा, कमलेश जैन तथा डॉ. सलीम खान उपस्थित रहे। अतिथिगण के साथ नौशे खान, विनीत कुमार त्रिवेदी तथा प्राचार्य श्रीमति प्रीति त्रिवेदी द्वारा भारत माता तथा सरस्वती माँ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन तथा माल्यार्पण के साथ आयोजन का शुभारंभ हुआ इसके पश्चात विद्यालय के संगीत के विद्यार्थियों द्वारा सस्वर पहले माँ शारदा की वंदना प्रस्तुत की गई इसके पश्चात संगीतमय प्रस्तुति के द्वारा माँ भारती की वंदना की गई तथा विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी अतिथियो का पुष्पमाला के साथ अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात कक्षा नर्सरी से 12वी तक के विभिन्न विद्यार्थियों ने जब देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग प्रस्तुतिया मंच से देना प्रारंभ किया तो पूरा माहौल देशभक्ति के रंग मे रंग गया और चारो तरफ भारत माता की जय के नारो से वातावरण गुंजित हो गया इस अवसर पर मुख्यअतिथि रायसिंह मेवाड़ा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि मैं कई विद्यालय मे इस प्रकार के आयोजन मे जाता रहता हूँ लेकिन जितनी बारिकी के साथ हर चीज पर ध्यान देते हुये यहाँ प्रस्तुतियों को तैयार किया जाता है और जिस प्रकार उनका प्रस्तुतिकरण किया जाता है वह सीधा दिल मे उतर जाता है यहा औपचारिकता नही निभाई जाती है बल्कि हर प्रस्तुति को जिया जाता है और उसमे जान लगा दी जाती है।

गणतंत्र दिवस पर ग्राम चन्नोठा को मिली 30 लाख के विकास कार्यो की सौगात

स्कूल परिसर में पैबर्स ब्लॉक लगाने की घोषणा

आष्टा, यशभारत।

गणतंत्र दिवस पर आष्टा जनपद की ग्राम पंचायत चन्नोठा में आयोजित स्कूली बच्चों के साथ विशेष मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम में पहुचे विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने ग्राम को 30 लाख के विकास कार्यो की सौगात दी । वही विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने विद्यालय परिवार एवं सरपंच की मांग पर स्कूल परिसर में पैबर्स ब्लॉक लगाने की घोषणा की । मुख्य समारोह के बाद ग्राम चन्नोठा के शासकीय माध्यमिक शाला में आयोजित मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम में पहुचे विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की आज ही के दिन संविधान निर्माता बाबा साहब द्वारा लिखित भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था । आज देश को आजाद कराने वाले अमर शहीदों को भी हम सब याद कर उनेह नमन करते है । पूर्व वक्ताओं ने विकास की बाते बताई हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो सपना देखा है आज विकास का सिलसिला उसी सपने को साकार करने के रूप में ग्राम ग्राम,शहर शहर में विकास हो रहा है । आज ग्राम में 25 लाख की लागत से बनने वाले मांगलिक भवन का भूमिपूजन एवं 5 लाख की लागत से बने टीन शेड निर्माण का लोकार्पण किया गया है । इसके पूर्व में ग्राम में कई विकास हुए है,ओर आगे भी जो मांगे की गई है वो भी पूरी होगी ।

हिंदू समाज अध्यक्ष ने नरेंद्र कुशवाहा का किया भव्य स्वागत सम्मान

आष्टा, यशभारत।

सकल हिंदू समाज के अध्यक्ष पद पर नरेंद्र कुशवाहा (पूर्व पार्षद) की नियुक्ति पर कुशवाहा समाज में हर्ष और गौरव का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर आष्टा नगर के काछी मोहल्ला स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर में कुशवाहा समाज द्वारा भव्य स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम भगवान लव-कुश की विधिवत पूजन-अर्चना एवं आरती के साथ किया गया। इसके पश्चात समाज पटेल जगदीश कुशवाहा के नेतृत्व में समस्त समाजजनों ने नवनियुक्त अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा का पुष्पमालाओं एवं साफा बांधकर गरिमामय स्वागत सम्मान किया। समारोह को संबोधित करते हुए समाज पटेल जगदीश कुशवाहा, जिला युवा संगठन अध्यक्ष रवि कुशवाहा, रामचरण कुशवाहा, अर्जुन कुशवाहा, लव-कुश जयंती पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा, नारायण कुशवाहा, महेंद्र कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष गोपाल कुशवाहा एवं पवन कुशवाहा ने कहा कि नरेंद्र कुशवाहा के सकल हिंदू समाज अध्यक्ष बनने से कुशवाहा समाज स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में समाज को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। अपने जोशीले एवं प्रेरणादायक उद्बोधन में सकल हिंदू समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा (पूर्व पार्षद) ने कहा कि वे समाज हित, एकता एवं सनातन धर्म के संरक्षण व प्रचार-प्रसार के लिए सदैव समर्पित रहेंगे।

मोदी जी के नेतृत्व में नये भारत मे नये कीर्तिमान रचे गये 2047 तक विकसित भारत का सपना होगा पूरा

कोठरी-आष्टा में अनेकों स्थानों,संस्थाओं में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रमों में शामिल हुए आष्टा विधायक,मुखर्जी ग्राउंड पर वितरित किये पुरुष्कार

आष्टा, यशभारत।

अमर शहीदों के त्याग और बलिदान से मिली आजादी के बाद 26 जनवरी 1950 को बाबा साहब द्वारा लिखित संविधान आज ही के दिन लागू किया गया था । आज पूरा देश 77 वॉ गणतंत्र दिवस धूमधाम से मना रहा है । आज का ये नया भारत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व का नया भारत है,जिसने अनेकों क्षेत्रो में नये नये कीर्तिमान स्थापित किये है और अब हम सबको मिल कर प्रधानमंत्री जी ने जो 2047 तक विकसित भारत का एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने जो विकसित मप्र का सपना देखा है उसे पूरा करना है उक्त उदगार विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने आज 77 वे गणतंत्र दिवस पर आयोजित मुखर्जी ग्राउंड पर मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए कहे । विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने इस अवसर पर कहा की विकसित भारत का सपना सबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास से ही सम्भव है । आज केंद्र एवं राज्य की सरकार प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में किसान,युवा,महिला,कृषि,विज्ञान, शिक्षा,स्वास्थ सहित सभी वर्गों के लिये, सभी क्षेत्रों में तेजी से कार्य कर रही है । मुख्य समारोह स्थल पर जनपद अध्यक्ष दीक्षा सोनू गुणवान ने ध्वजारोहण कर संदेश का वाचन किया । मुख्य समारोह स्थल पर परेड,पीटी एवं विद्यालयों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमो की शानदार प्रस्तुति दी जिसे सभी ने सराही । गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि विधायक गोपालसिंह इंजीनियर,जनपद अध्यक्ष दीक्षा सोनू गुणवान,नपा अध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाडा नगर मंडल भाजपा अध्यक्ष अंजनी विशाल चौरसिया,वरिष्ठ सहकारी नेता देवीसिंह जी परमार,जनपद उपाध्यक्ष गजराज मेवाडा सहित मंचासीन सभी अतिथियों,जनप्रतिनिधियों ने सभी विजेता विद्यालयों की टीमो को,उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी अधिकारियों,कर्मचारियों को पुरुष्कृत कर सम्मानित किया । इसके पूर्व आज गणतंत्र दिवस पर प्रातः विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने शा.उच्च.मा.विद्यालय कोठरी,कृषि सहकारी समिति कोठरी,नगर परिषद कोठरी,आरोग्य मन्दिर कोठरी,जेके अस्पताल,आष्टा अपोलो हॉस्पिटल,शिवालय अस्पताल,विधायक कार्यालय,अभा बलाई मालवीय समाज धर्मशाला पर आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रमो में शामिल हुए एवं ध्वजारोहण किया । इस अवसर पर कोठरी,आष्टा एवं विधायक कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रमो में पूर्व विधायक रघुनाथसिंह मालवीय,पूर्व जनपद अध्यक्ष बापूलाल मालवीय, श्रीमति नगीना राधेश्याम दलपति, युवराजसिंह वर्मा, देवजी पटेल, कोठरी सीएमओ नरेन्द्र जाटव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष द्वय श्रीमति उर्मिला मरेठा, श्रीमति कृष्णा गोपालसिंह इंजीनियर, जिला महामंत्री तारा कटारिया, सुशील संचेती, नगर अध्यक्ष अंजनी चौरसिया, गिरजा कुशवाह, नीलिमा बैरागी,महेन्द्र इंजीनियर, जगदीश चौहान, मोहित सोनी,महेंद्रसिंह ठाकुर गऊखेड़ी,सौरभ जैन शीतल, सुरेश जैन, विकास बजाज,उत्थान धारवा, जितेंद्र आजाद, सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता,पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, पार्षद आदि उपस्तिथ रहे ।

उत्साह व उमंग के साथ मना 77वां गणतंत्र दिवस

आष्टा, यशभारत। नगर में उत्साह व उमंग के साथ शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं महाविद्यालयों तथा विद्यालयों में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्साह से ध्वजारोहण किया गया। नगरपालिका कार्यालय में नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर मेवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में ध्वजारोहण हुआ। इस अवसर पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोदकुमार प्रजापति, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अंजनी चौरसिया, पार्षदगण कमलेश जैन, डॉ. सलीम खान, रवि शर्मा, तारा कटारिया, लता मुकाती, तेजपाल मुकाती, शेख रईस, स्वच्छता एम्बेसेडर संध्या बजाज, गिरजा कुशवाह, माखन कुशवाह, शंकर प्रजापति, सहित अन्य नागरिकगण, अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद थे। ध्वजारोहण के पश्चात् राष्ट्रगान एवं मध्यप्रदेश गान का गायन किया गया। चार बत्ती चौक पर मीसाबंदी फूलचंद वर्मा द्वारा ध्वजारोहण किया गया, वहीं विजय स्तम्भ बड़ा बाजार पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की धर्मपत्नी श्रीमती शारदादेवी झंवर, मोहम्मद अब्दुल कलाम चौक कसाईपुरा पर शहर काजी जनाब फजले बारी आरिफ ने ध्वजारोहण किया।

सी.एम. राइज़ स्कूल में पांच दिवसीय कॅरियर मेला काउंसलिंग का शुभारंभ

आष्टा, यशभारत। नगर के सांदीपनि (सी.एम. राइज़) शासकीय उमावि आष्टा में पांच दिवसीय कॅरियर मेला एवं कॅरियर काउसलिंग का शुभारंभ तहसीलदार रामलाल पगारे द्वारा किया गया। सी.एम.राइज़ विद्यालय के प्राचार्य सितवत खान ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय चयन में सहायता करना और विभिन्न कॅरियर अवसरों की जानकारी देना है। तहसीलदार रामलाल पगारे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व है। विद्यार्थी शिक्षकों की बातों पर ध्यान दें तो वो सही दिशा में जा सकते है। वर्तमान युग प्रतियोगिता का युग है जो विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित कर उस दिशा में पूरे मनोयोग से प्रयास करेगा उसकों सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

संतनगर-गांधीनगर में उमंग उल्लास से मना गणतंत्र का पर्व

आन बान शान से लहरा तिरंगा, भव्य रैली निकली, देशभक्ति का रंग बिखरा

हिरदाराम नगर, यशभारत

77वां गणतंत्र दिवस संतनगर और गांधीनगर में उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालयों में ध्वजारोहण, मार्च पास्ट और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों हुए। विशिष्टजनों ने संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने, अधिकारों के साथ कर्तव्यों के पालनकर और विकसित भारत के निर्माण में सहभागिता का आव्हान किया। लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी, गांधीनगर की शिक्षण संस्थाओं में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। सिद्धभाऊजी ने झंडावंदन किया। उन्होंने कहा यह अवसर हमे अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों के पालन के लिए भी पाबंद करता है। कार्यक्रम में पार्षद लक्ष्मण सिंह अतिथि के रूप में मौजूद रहे। पीटी प्रदर्शन, परेड व राष्ट्रगान गाया गया। अतिथियों का स्वागत संस्था के सचिव रमेश हिंगोरानी, संचालक योगेश हिंगोरानी एवं नीलेश हिंगोरानी एवं प्राचार्यों ने किया।

साधु वासवानी स्कूल

77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। समारोह का शुभारंभ रैली के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थी देशभक्ति के नारे लगाते हुए शामिल हुए। मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। शर्मा ने युवाओं को देश की शक्ति बताते हुए संविधान के प्रति निष्ठा का आह्वान किया। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

संस्कार पब्लिक स्कूल

गणतंत्र दिवस मनाया गया। विधायक रामेश्वर शर्मा, म.प्र. आवास संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं संस्था के अध्यक्ष सुषील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, व अन्य अतिथियों ने ध्वजारोहरण किया। दूसरे चरण में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी व सचिव बसंत चेलानी ने कहा भारत माता की जय बोलना तभी सफल होगा जब हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे।

मिठी एवं नवनिध स्कूल

77वां गणतंत्र दिवस समारोह उल्लास एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहा। विद्यालय परिसर तिरंगे की छटा, देशभक्ति गीतों और अनुशासनबद्ध गतिविधियों का साक्षी बना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल नारायण परवानी ने तिरंगा फहराया। एएसआई सुरेंद्र कुमार, संस्था के अध्यक्ष सिद्ध भाऊजी,संस्था के सचिव धनश्याम बूलचंदानी व प्रबंधन समिति सदस्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में मार्च पास्ट किया गया। सिद्धभाऊजी ने कहा कि गणतंत्र दिवस नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों का पर्व है। इंटर-हाउस प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

नवयुवक सभा में फहराया झंडा

विद्यालयों और दीनदयाल महाविद्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा ने ध्वजारोहण कर एनसीसी कैडेट्स की सलामी ली और अधिकारों के सही उपयोग का संदेश दिया। भव्य रैली निकाली गई और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में पूर्व मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष मनोहर ममतानी और सभा अध्यक्ष वासदेव वाधवानी ने युवाओं को वीर शहीदों से प्रेरणा लेने व देश के प्रति कर्तव्य निभाने हेतु प्रेरित किया।

बच्चों ने मनाया गणतंत्र का पर्व

विद्यासागर पब्लिक स्कूल, राधीबाई हासोमल ख्यांतानी फाउंडेशन स्कूल एवं अर्जन हाथीरामानी मेमोरियल प्ले स्कूल में गणतंत्र का पर्व मनाया गया। विद्यालय परिसर को तिरंगे के रंगों से सजाया गया था। मुख्य अतिथि एल.सी. जनयानी एवं के.एल. मोटवानी द्वारा ध्वजारोहण किया। बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

अधिकारों एवं कर्तव्यों का आधार

चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल, गांधीनगर में 77वां गणतन्त्र दिवस राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संस्था के वरिष्ठ प्रबंधन सदस्य मनोहर लाल वासवानी और मुख्य अतिथि डॉ. विनोद भट्ट ने ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत, भाषण एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। भट्ट ने कहा कि गणतन्त्र केवल एक शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के अधिकारों एवं कर्तव्यों का आधार है।

पूज्य सिंधी पंचायत कार्यालय

पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी ने झंडावंदन किया। देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर महासचिव नंद दादलानी उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी, माधव पारदासानी, हरीश मेहरचंदानी, वासदेव वाधवानी, मूलचंद वीधानी, घनश्याम लालवानी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। वहीं शांति प्रकाश धर्मशाला में सिंधु नव जागरण समिति, स्वामी शांतिप्रकाश धर्मशाला ट्रस्ट व सिंधु जागृति सेवा समिति के संयुक्त रूप से गणतंत्र दिवस मनाया। सिंधु नव जागरण समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष नरेश कुमार चोटरानी ने झंडा वंदन किया।

महानगर नागरिक सहकारी बैंक

बैंक के संतनगर स्थित मुख्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया गया। बैंक के अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राज्य सहकारी आवास संघ के पूर्व अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) सुशील वासवानी ने ध्वजारोहण किया और तिरंगे को सलामी दी। वासवानी ने कहा, 'आज देश यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भारत लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस यात्रा को और सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी से करना चाहिए। कार्यक्रम में बैंक के वरिष्ठ संचालक एवं एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, समाजसेवी नरेंद्र लालवानी वरिष्ठ समाजसेवी झामनदास शामनानी, ईश्वर चेलानी, कांता चांदवानी सहित बैंक के कर्मचारी और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य कार्यपालक प्रकाश आसुदानी ने आभार व्यक्त किया।

मौसम का अचानक बदला मिजाज

भोपाल समेत प्रदेश के कई जिलों में हुई वर्षा

भोपाल, यश भारत।

मध्य प्रदेश में मंगलवार देर रात मौसम ने अचानक करवट ले ली। राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के कई जिलों में तेज वर्षा दर्ज की गई, जबकि कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि की भी सूचना है। रात करीब 11.15 बजे भोपाल में जोरदार बारिश का दौर शुरू हुआ। बादलों की तेज गड़गड़ाहट और बिजली की चमक के साथ हुई बारिश से शहर की सड़कें जलमग्न हो गईं। ठंडी हवाओं के चलने से जहां लोगों को दिनभर की गर्मी से राहत मिली, वहीं अचानक बदले मौसम ने जनजीवन को कुछ देर के लिए प्रभावित भी किया। बुधवार को कुछ समय तक बादल छाए रहे वहीं दोपहर 12 बजे धूप खि गई।

मावठा हुआ सक्रिय, तापमान में हुई गिरावट

मौसम विभाग के मुताबिक मावठा सक्रिय हुआ है जिसके चलते तापमान में गिरावट हुई है। आने वाले कुछ दिनों तक इसी तरह का मौसम रहने की अनुमान जताया जा रहा है। तापमान में अचानक आए बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ा है। लोग सर्दी खांसी और जुकाम से पीड़ित हो रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बदलते मौसम में लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए और सर्दी के समय गर्म कपड़े पहनकर रहना चाहिए।

बारिश के चलते तापमान में और गिरावट आने की संभावना जताई जा रही है। मंगलवार को दिन के समय गर्मी का असर बना हुआ था, लेकिन रात की बारिश ने मौसम को पूरी तरह बदल दिया। मौसम विभाग के अनुसार, हरियाणा और उसके आसपास सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन तथा उससे गुजर रही ट्रफ लाइन के प्रभाव से प्रदेश में यह मौसमी बदलाव देखने को मिला है। इसी सिस्टम के कारण मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, तेज आंधी और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की स्थिति बनी।

प्रदेश के गुना, शाजापुर, बड़वानी, छतरपुर, मंदसौर, रतलाम, अशोकनगर, भिंड, मुरैना, राजगढ़, शिवपुरी, ग्वालियर, टीकमगढ़ और आगर-मालवा सहित कई जिलों में बारिश दर्ज की गई। रतलाम, शाजापुर और आगर-मालवा में तेज आंधी के साथ हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई स्थानों पर आंधी के कारण खड़ी फसलें खेतों में गिर गईं, जिससे फसलों को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि इस समय फसलें पकने की स्थिति में हैं और ओलावृष्टि अथवा तेज आंधी-बारिश से उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। यदि मौसम इसी तरह बना रहा तो नुकसान और बढ़ सकता है। प्रशासन की ओर से हालात पर नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर फसलों के नुकसान का आकलन कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी सिस्टम की सक्रियता के चलते आने वाले एक-दो दिनों तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें, खुले स्थानों पर जाने से बचें और अनावश्यक यात्रा न करें। बारिश और ठंडी हवाओं के बीच प्रदेशवासियों को अगले कुछ दिनों तक मौसम के बदले हुए तेवर देखने को मिल सकते

अशोक का वो पेड़

राम सुनो अनिशा से एक कहानी
एक बड़े अशोक वृक्ष की कहानी
उसकी छाँव में रहती थी उसकी परिणीता
उस सुकोमल कन्या का नाम था प्यारी
'सुनीता '

उनकी छाँव तले खेलते थे बहुत सारे गुड्डे गुड़िया
कुछ नटखट कुछ आफ़त की पुड़िया
मैं सबसे कहानी सुनती थी
उन कहानियों में अपने किरदार बुनती थी

आज उस पेड़ को फिर से सींच आओ राम
उसे 'अनिशा' का संदेश दे आओ राम
तुम माधव बन उस घर के रथ को हाँक दो
जरा बुद्ध बन अपनी करुणा से उस पेड़ में उम्मीद टाँक दो

जल्दी जाओ प्रभु राम शीघ्र जाओ!!

स्वरचित कविता
-अनिशा जैन

हमारे वृक्ष

प्राण वायु का उत्सर्जन
जीव जन्तु का आकर्षण
पशु पक्षी का भी पालन
निस्वार्थ भाव से करते है
फिर भी स्वार्थ में कटते है।।
राही की छाया का ध्यान
मेघों का करते सम्मान
पंक्षी को दे आश्रय दान
फल मीठे हमसे मिलते है
फिर भी स्वार्थ में कटते है।।
तुममे सीखा अधूरा ज्ञान
समझे न प्राचीन विज्ञान
सदियों से मिला हमें सम्मान
हम तुम्हे बचाया करते है
फिर भी स्वार्थ में कटते है।।
तुम कहते हो जिसे विकास
अल्प जान से होता विनाश
प्रकति साथ करके खिलवाड
अपना विनाश ही करते है
फिर भी स्वार्थ मे कटते है।।
अगर चाहते रहना रंजन
रखना होगा वन सघन
जिससे होगा लालन पालन
ज्ञान की बाते करते है
फिर भी स्वार्थ में कटते है।

राजीव रंजन खरे
भोपाल

रेल मदद पर यात्री शिकायतों का भोपाल मंडल ने किया समाधान

भोपाल, यशभारत।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने यात्री सुविधा, सुरक्षा एवं शिकायत निवारण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार करते रेल मदद पोर्टल/एप के माध्यम से प्राप्त यात्री शिकायतों के निस्तारण में नई उपलब्धि हासिल की है। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में सुदृढ़ एवं तकनीक-आधारित कार्यप्रणाली के परिणामस्वरूप भोपाल मंडल ने शिकायत समाधान समय में अभूतपूर्व कमी दर्ज की है।

01 अप्रैल से 31 दिसंबर 2024 तक 33577 शिकायतें प्राप्त हुई। वहीं 01 अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 कुल प्राप्त शिकायतें 38674 रहीं। शिकायतों की संख्या में वृद्धि के बावजूद भोपाल मंडल द्वारा समाधान समय में लगभग 63 प्रतिशत की कमी लाई गई है । यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं तनावमुक्त यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से रेलवे की हेल्पलाइन 139 सहित सभी शिकायत माध्यमों को रेल मदद पोर्टल एवं मोबाइल एप में एकीकृत किया गया है। इससे यात्रियों की शिकायतें एक ही मंच पर दर्ज होकर संबंधित विभाग तक तुरंत पहुंचती हैं तथा समयबद्ध समाधान सुनिश्चित होता है। शिकायत के निस्तारण के पश्चात यात्रियों से फीडबैक भी प्राप्त किया जाता है, जिससे सेवा गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल रेल मदद पर प्राप्त यात्री शिकायतों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग कर रहा है। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग को तत्काल सूचित कर यात्री से संपर्क किया जाता है तथा समाधान तक सतत निगरानी रखी जाती है। इस व्यवस्था में वाणिज्य, विद्युत, कैरज एंड वैगन, चिकित्सा, रेल सुरक्षा बल सहित सभी संबंधित विभाग चौबीस घंटे समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

भागवत कथा में शामिल हुए विधायक सबनानी

भोपाल, यशभारत।

न्यू पुलिस रेडियो कॉलोनी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कथा का श्रवण लाभ लिया व सभी के लिए सुख शांति समृद्धि की कामना की। कथा वाचक ने व्यास पीठ ने भागवत कथा का महत्व बताया। कथा का श्रवण लाभ लेने के लिए दूर दराज से लोग पहुंच रहे हैं।

सेमरा से जनेश्वर साहू निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष

जबलपुर, यश भारत।

मां कर्मा धाम सेवा समिति एकतापुरी सेमरा, भोपाल के चुनाव 26 जनवरी सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुए। दोपहर 2 बजे समिति परिसर में आयोजित आम सभा की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में निर्वाचन अधिकारी किशोर कुमार साहू और मोहनलाल मोदी तथा पर्यवेक्षक कैलाश साहू की मौजूदगी में चुनाव प्रक्रिया पूरी की गई। आम सहमति से जनेश्वर साहू को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही गोविंद साहू को युवा अध्यक्ष, मीना साहू को महिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन सेमरा इकाई के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी पुरुषोत्तम साहू को सौंपी गई तथा राजकुमार साहू को सेमरा इकाई का युवा अध्यक्ष बनाया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए और पुष्पमालाएं पहनाकर बधाई दी गई। कार्यक्रम में निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया का विधिवत पालन किया गया। बैठक में समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ वरिष्ठ, युवा एवं महिला समाजसेवियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से किशोर कुमार साहू (मुख्य राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष), मोहनलाल मोदी (प्रदेश संरक्षक), कैलाश साहू (प्रदेश उपाध्यक्ष), राजेश साहू कर्मा जी (पूर्व अध्यक्ष), राजेश साहू (शिक्षक), राजेश साहू चक्की, संतोषराज साहू, शंभूदयाल साहू (संस्थापक कर्मा सेना), मुकेश साहू (प्रदेश अपर महामंत्री), अनूप साहू, दिलीप साहू, मुन्नालाल साहू, करण साहू, राजकुमार साहू, गोविंद साहू, डॉ. भानू साहू, ज्योति साहू, मीना साहू, राजेश साहू (जिला अध्यक्ष), मनमोहन साहू, राजेश साहू (ऑडिटर) सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय अनघ मंच द्वारा दो दिवसीय अखंड पाठ का आयोजन कल से

भोपाल, यशभारत। अंतरराष्ट्रीय अनघ मंच द्वारा अखंड पाठ का आयोजन गुरुवार 29 जनवरी से किया जा रहा है। दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन 30 जनवरी को होगा। मंच द्वारा पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों द्वारा वीररेस कविता एवं राष्ट्रभक्ति काव्य का 25 घंटों का निरंतर अखंड पाठ का आयोजन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में किया जाएगा। आयोजनकर्ताओं ने बताया कि 25 घंटों तक अखंड पाठ का विश्वरिकार्ड बनाया जाना है। इस आयोजन में सिर्फ राष्ट्रभक्ति, देशभक्ति और वीर रास की कविताओं का ही वाचन होगा। आयोजन में काव्यपाठ केवल पूर्व सैनिकों, उनके परिवारों एवं अन्य वर्दीधारी अर्ध सैनिकों द्वारा किया जाएगा। एक घंटे के लगभग शुभारंभ कार्यक्रम होगा। 11 बजे से विश्व रिकार्ड वाचन अंकित होना प्रारंभ हो जाएगा जो निरंतर स्थापित रिकार्ड भंजन तथा उसके बाद पच्चीस घंटे तक जारी रहेगा, तत्पश्चात समापन समारोह होगा। कार्यक्रम के शुभारंभ की अध्यक्षता नगर महापौर मालती राय करेंगी।

एम्स भोपाल में अंगदान करने वाले परिवारों का सम्मान

भोपाल, यशभारत। गणतंत्र दिवस के अवसर पर एम्स भोपाल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्व शंकरलाल कुबरे एवं स्व गणेश पाटिल के परिजनों को अंगदान के लिए सहमति देने के उनके निर्णय के लिए सम्मानित किया गया। चिकित्सकों और अधिकारियों ने इस साहसिक और मानवीय निर्णय की सराहना की। इस अंगदान से कई गंभीर रूप से बीमार मरीजों को नया जीवन मिला। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसे राष्ट्रीय सेवा के रूप में अपनाने का संदेश दिया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर एम्स भोपाल में एक भावपूर्ण और प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंगदान जैसे महान मानवीय कार्य को सम्मान देना और आम नागरिकों को इसके महत्व से अवगत कराना था। एम्स भोपाल प्रशासन ने कहा कि ऐसे प्रेरक उदाहरण आम नागरिकों को अंगदान के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करते हैं और इससे स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलती है। अंगदान के माध्यम से एक व्यक्ति कई लोगों को जीवनदान दे सकता है, जिससे समाज में आशा और विश्वास का संचार होता है। कार्यक्रम का समापन दोनों परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए किया गया।

अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार नियोजन योजना की स्वीकृति

कैबिनेट ने पचमढ़ी नगर को अभयारण्य से बाहर करने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

भोपाल, यशभारत।

राज्य कैबिनेट ने पचमढ़ी नगर को पचमढ़ी अभयारण्य से अलग करने के वन विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव पूर्व में भी कैबिनेट में आया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर इसमें कुछ तकनीकी त्रुटियां रह गई थीं। इन्हें सुधारते हुए अब दोबारा प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा पंचमढ़ी नगर के साडा के नियंत्रण वाली नजूल क्षेत्र रकबा 395.931 हैक्टेयर भूमि को संशोधित कर रकबा 395.939 हैक्टेयर भूमि को पचमढ़ी अभयारण्य क्षेत्र से बाहर कर राजस्व नजूल घोषित करने की स्वीकृति दी गई है

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के 9 टाइगर रिज़र्व के अंतर्गत बफर क्षेत्रों का विकास करने के लिए आगामी 5 वर्षों, वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक के लिए कुल 390 करोड की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इस नवीन योजना अंतर्गत बफर क्षेत्रों के विकास के तहत संवेदनशील क्षेत्रों में चेनलिंक फेसिंग, वन्यप्राणी सुरक्षा, चारागाह विकास, जल स्त्रोतों का विकास, अग्नि सुरक्षा, वन्य प्राणी उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण और कौशल उन्नयन जैसे कार्य किए जाएंगे।

नर्मदापुरम में 2 सिंचाई परियोजनाओं के लिए 215 करोड़ 47 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार तवा परियोजना (दायीं तट नहर) की बागरा शाखा नहर होज सिंचाई परियोजना की लागत 86 करोड़ 76 लाख रूपये, प्रस्तावित सिंचाई क्षेत्र 4200 हैक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गयी। परियोजना से नर्मदापुरम जिले की बाबई एवं सोहागपुर तहसील के 33 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ होगा।

मंत्रि-परिषद द्वारा जनजातीय कार्य विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और राजस्व विभाग की वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 की अवधि के लिए 17 योजनाओं की निरंतरता के लिए 17864 करोड़ 26 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति अनुसार जनजातीय कार्य विभाग की शुल्क की प्रतिपूर्ति, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण, स्काउट गाइड, परिवहन, स्वास्थ्य, विभिन्न पुरस्कार आदि 15 योजनाओं के लिए 377 करोड़ 26 लाख की स्वीकृति दी गई। इसी तरह खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की मुख्यमंत्री कृषक फसल उपार्जन सहायता के लिए 15 हजार करो? रूपये और राजस्व विभाग की तहसील, जिला संभाग के कार्यालय एवं आवासीय भवन का निर्माण योजनाओं के लिए 2487 करोड़ की स्वीकृति दी गई है।

पांच दिनों से अधूरी सड़क ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

भोपाल, यशभारत।

राजधानी भोपाल के वार्ड नंबर 10 स्थित वाजपेयी नगर में नगर निगम द्वारा कराए जा रहे पाइपलाइन कार्य ने स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इलाके की मुख्य सड़क को पाइपलाइन बिछाने के लिए करीब पांच दिन पहले खोद दिया गया था, लेकिन अब तक न तो सड़क की मरम्मत की गई है और न ही काम को पूरा किया गया है। अधूरी पड़ी सड़क के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वाजपेयी नगर में पाइपलाइन कार्य बना मुसीबत

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क खुदाई के बाद गड्ढों को वैसे ही छोड़ दिया गया है। बारिश या रात के समय हालात और भी खतरनाक हो जाते हैं। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का डर बना रहता है, वहीं बुजुर्गों और बच्चों को पैदल निकलने में भी परेशानी हो रही है। कई जगह मिट्टी और मलबा सड़क पर फैला हुआ है, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बन जाती है।

वाजपेयी नगर निवासी रमेश शर्मा ने बताया कि पाइपलाइन का काम जरूरी है, इसमें किसी को आपत्ति नहीं है, लेकिन काम अधूरा छोड़ देना गलत है। पांच दिन से हम धूल, गड्ढों और परेशानी के बीच जी रहे हैं। नगर निगम के अधिकारी देखने तक नहीं आए।' वहीं एक अन्य निवासी महिला ने कहा कि बच्चों को स्कूल छोडने और लाने में डर लगता है, क्योंकि सड़क पर गड्ढे इतने गहरे हैं कि हादसा कभी भी हो सकता है।

स्थानीय दुकानदारों का भी कहना है कि सड़क खुदी होने के कारण ग्राहकों की आवाजाही कम हो गई है। इससे उनके कारोबार पर असर पड़ रहा है। दुकानदारों के अनुसार कई बार निगम के कर्मचारियों से शिकायत की गई, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला, जमीन पर कोई काम नहीं दिखा।

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि नगर निगम की लापरवाही के कारण यह स्थिति बनी हुई है। नियमानुसार खुदाई के बाद जल्द से जल्द सड़क को ठीक किया जाना चाहिए, ताकि आम जनता को परेशानी न हो, लेकिन यहां नियमों की अनदेखी हो रही है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द मरम्मत नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से नगर निगम कार्यालय में शिकायत दर्ज कराएंगे।

इस पूरे मामले में नगर निगम के अधिकारियों ने चुप्पी साधी हुई है। काम कब तक पूरा होगा इसका जवाब भी आला अधिकारियों के पास नहीं है। हालांकि निगम द्वारा शहर में चल रहे विभिन्न पाइपलाइन और विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन वाजपेयी नगर की स्थिति इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि नगर निगम जल्द से जल्द पाइपलाइन कार्य पूरा कर सड़क की मरम्मत कराए और भविष्य में इस तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानी न झेलनी पड़े।

संपादकीय

मदर ऑफ ऑल डील

करीब 18 साल के लंबे इंतजार के बाद भारत और यूरोपीय संघ ने दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति जता दी है. नई दिल्ली में आयोजित भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन की उपस्थिति में भारत-ईयू के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का एलान कर दिया गया। हाल के दिनों का यह दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा समझौता है जो दो अरब लोगों का बाजार तैयार करता है। बहरहाल, 16वीं भारत-यूरोपीय संघ शिखर बैठक और दोनों पक्षों के नेताओं का संवाद केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहा। इस अवसर पर कई अन्य समझौतों पर भी हस्ताक्षर हुए ताकि आपसी सहयोग बढ़ाया जा सके और रिश्तों को मजबूती प्रदान की जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे वैश्विक व्यापार का नया सवेरा बताया है. यह समझौता भारत को 27 देशों से जोड़ेगा और निवेश के बड़े अवसर खोलेगा. इस डील से हम और आप जैसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए लग्जरी कारों से लेकर विदेशी वाइन तक काफी कुछ सस्ता हो जाएगा. प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण है। उर्सुला ने भी इस समझौते को सभी 'मदर आफ आल डील्स' कहते हुए यह रेखांकित किया कि दुनिया के वर्तमान 'ग्रोथ सेंटर' और इस सदी के आर्थिक पावर हाउस भारत के साथ यह एफटीए यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में पहली बढ़त दिलाएगा। इस एफटीए से दो अरब लोगों का एक साझा बाजार तैयार होगा और यह संयुक्त बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा। इस एफटीए ने अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ के बीच भारत और ईयू को नई रणनीतिक गोलबंदी के साथ व्यापारिक संबंधों को नई दिशा दी है। यूरोपीय संघ भारत से आयात होने वाली वस्तुओं के लिए मूल्य के आधार पर 99.5 फीसदी पर शुल्क कम करेगा जबकि भारत 92 फीसदी से अधिक वस्तुओं पर शुल्क को उदार बनाएगा। अगर आप मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू या ऑडी जैसी यूरोपीय कारों के दीवाने हैं, तो यह डील आपके लिए जैकपॉट है. अब तक इन कारों पर 100त्न से ज्यादा इम्पोर्ट ड्यूटी लगती थी. समझौते के तहत, 15,000 यूरो (करीब 16.3 लाख रुपये) से महंगी कारों पर ड्यूटी घटाकर 40त्न कर दी जाएगी और धीरे-धीरे यह 10त्न तक नीचे आएगी. इससे इन लग्जरी कारों की कीमतों में लाखों रुपये की कमी आएगी. फ्रांस, इटली और स्पेन की मशहूर वाइन पर टैक्स भारी कटौती के साथ कम होगा. अब विदेशी प्रीमियम ब्रांड्स का स्वाद चखना आपकी जेब पर भारी नहीं पड़ेगा. यूरोप अपनी अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक के लिए जाना जाता है. इस समझौते से कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की विदेशी दवाएं और आधुनिक मेडिकल मशीनरी सस्ती होंगी. इसके अलावा, भारत की जेनेरिक दवाओं के लिए यूरोप के 27 देशों के बाजार खुल जाएंगे.हवाई विमान के पुर्जे, मोबाइल पार्ट्स और हाई-टेक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर टैरिफ खत्म होने से भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और मैन्युफैक्चरिंग की लागत घटेगी. इसका सीधा फायदा आम उपभोक्ताओं को कम कीमतों के रूप में मिलेगा. यानी आपके लिए मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदना सस्ता हो सकता हैलोहे, स्टील और केमिकल उत्पादों पर शून्य टैरिफ का प्रस्ताव है. इससे कंस्ट्रक्शन और इंडस्ट्रियल सेक्टर में कच्चे माल की कीमतें गिरेंगी, जिससे घर बनाना या औद्योगिक सामान खरीदना सस्ता हो सकता है. यह डील सिर्फ सामान सस्ता नहीं करेगी, बल्कि भारतीय कपड़ा , लेदर और हीरे-जवाहरात के कारोबारियों के लिए यूरोप का विशाल बाजार खोल देगी. भारतीय कपड़ों पर लगने वाली ड्यूटी खत्म होने से बांग्लादेश और वियतनाम को पीछे छोड़ भारत नंबर 1 बन सकता है. जहां तक व्यापार समझौते की बात है, यह कानूनी अनिवार्यताएं पूरी होने के बाद ही लागू होगा लेकिन इससे जो हासिल हुआ है वह उल्लेखनीय है।

कड़वे वचन

आदमी जब अपनीलड़कीके लिए लड़का देखने जाता हे तो पत्नी पति से कहती किदो बातों का ध्यान रखना एक लड़का खाते पीते घर का हो।दो मगर खाता पीता नहीं हो।दोनों बातों में बड़ा विरोधाभास है पर समझने वाला इसका मतलब समझता है। फिर पता नहीं क्यों लोग जिंदगी का मतलब नहीं समझते।अरे भाइ जीना है तो जीना (सीढ़ियां) तो चढ़ना ही पड़ेगा।

आज का राशिफल

ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-28 जनवरी 2026
दिन-बुधवार, माह- शुक्ल पक्ष
विक्रम संवत 2082

मेष

दिन खुशनुमा रहने वाला है किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है

वृष

पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है धैर्य के साथ आगे बड़े

मिथुन

आज का दिन व्यापार के लिए कोई नई योजना बनाने के लिए है सफलता मिलेगी

कर्क

आज का दिन रचनात्मक कार्य करने में व्यतीत होने वाला है अपनी सुख सुविधाओं के सामान पर खर्च कर सकते हैं

सिंह

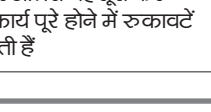

दिन बुद्धि व विवेक से निर्णय लेने के लिए रहने वाला है आत्मविश्वास में वृद्धि होगी

कन्या

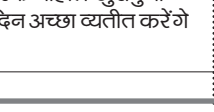

विद्यार्थी वर्ग को अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है मानसिक तनाव को कम करने की कोशिश करें

तुला

निवेश करने से पहले अच्छी तरह सोच समझ ले बड़ों की सलाह को मानकर कार्य करें

वृश्चिक

अजनबियों से सावधानी बरते किसी के भी बहकावे में ना आए

धनु

दिल लाभदायक रहने वाला है मान सम्मान में वृद्धि होगी

मकर

अटका हुआ कार्य पूरे होने के संकेत दिख रहे हैं मेहनत करें सफलता मिलेगी

कुंभ

दिन भर आलस महसूस कर करेंगे कार्य पूरे होने में रुकावटें आ सकती हैं

मीन

पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा दिन अच्छा व्यतीत करेंगे

भारतीय परमाणु वैज्ञानिक डॉ राजा रमन्ना

-जन्मदिन 28 जनवरी26 पर विशेष

डॉ राजा रमन्ना (28 जनवरी 1925 , 24 सितंबर 2004) भारतीय परमाणु वैज्ञानिक में एक महान वैज्ञानिक थे जिन्होंने 1974 में परमाणु पोखरण टेस्ट में अहम भूमिका निभाई थी आज उन्ही के नाम पर कैट, डीएई, इंदौर का नाम डॉ राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, इंदौर है

डॉ राजा रमन्ना का जन्म 28 जनवरी, 1925, तुमकुर, भारत में हुआ वो एक भारतीय परमाणु भौतिक विज्ञानी थे जिन्होंने देश के परमाणु हथियार कार्यक्रम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक भारतीय परमाणु भौतिक विज्ञानी थे। वे 1960 के दशक के आखिर और 1970 के दशक की शुरुआत में भारत के परमाणु कार्यक्रम के निदेशक थे, जिसका नतीजा स्माइलिंग बुद्धा था, जो 18 मई 1974 को भारत का पहला सफल परमाणु हथियार परीक्षण था। रमन्ना ने मद्रास यूनिवर्सिटी से फिजिक्स में बैचलर डिग्री और लंदन के किंग्स कॉलेज से क्वांटम की डिग्री हासिल की। उन्होंने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च और बाद में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में परमाणु भौतिकी पर काम करने के लिए ज्वाइन किया। रमन्ना ने होमी जहांगीर भाभा के अंडर काम किया, जिनसे वे पहले 1944 में मिले थे। उन्होंने 1964 में परमाणु कार्यक्रम ज्वाइन किया, और बाद में 1967 में इस कार्यक्रम के निदेशक बन गए। रमन्ना ने परमाणु हथियारों पर वैज्ञानिक रिसर्च का विस्तार किया और उसकी देखरेख की और भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में वैज्ञानिकों की टीम के प्रभारी थे, जिसने 1974 में पहले परमाणु उपकरण का डिजाइन और परीक्षण किया था। रमन्ना चार दशकों से अधिक समय तक भारत के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े रहे, और उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों के लिए रिसर्च में भी मदद की। उन्होंने भारत सरकार में रक्षा अनुसंधान

सचिव (1978-81), रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार (1978-81), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के महानिदेशक (1978-82), परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष (1983-87) और परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव (1983-87) जैसे विभिन्न पदों पर काम किया। बाद में वे 1990 में रक्षा राज्य मंत्री बने। उन्होंने 1997 से 2003 तक राज्यसभा में संसद सदस्य के रूप में कार्य किया। अपने करियर के बाद के हिस्से में, उन्होंने परमाणु प्रसार और परीक्षण के खिलाफ वकालत की। रमन्ना ने भारत के बैंगलोर (बेंगलुरु) में बिशप कॉटन बॉयज़ स्कूल में शिक्षा प्राप्त की थी। बाद में उन्होंने मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज में पढ़ाई की, जहाँ उन्होंने 1945 में फिजिक्स में बैचलर डिग्री हासिल की। उन्होंने 1949 में किंग्स कॉलेज लंदन से फिजिक्स में डॉक्टरेट की डिग्री पूरी की। उसी साल वह ट्रॉम्बे में एटॉमिक एनर्जी एस्टैब्लिशमेंट में भारतीय परमाणु विज्ञान कार्यक्रम में शामिल हुए। वहाँ उन्होंने फिजिसिस्ट होमी भाभा के अंडर काम किया, जिनके नाम पर बाद में इस एस्टैब्लिशमेंट का नाम बदलकर भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर कर दिया गया। रमन्ना ने क्वांटम के डायरेक्टर (1972-78 और 1981-83) के रूप में काम किया और देश के पहले परमाणु हथियार परीक्षण (1974) की देखरेख की। उन्होंने भारत के एटॉमिक एनर्जी कमीशन (1984 - 87) का नेतृत्व भी किया और रक्षा अनुसंधान के सचिव (1978-81) और रक्षा राज्य मंत्री (1990) के रूप में भी काम किया। होमी जे। भाभा की 58वीं पुण्यतिथि। उन्हें लोकप्रिय रूप से भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक के रूप में जाना जाता था। परमाणु हथियार विकसित करने में अपने काम और वकालत के अलावा, रमन्ना ने कई प्रोफेशनल सोसाइटियों और अन्य संगठनों में पद संभाले, जिनमें इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज शामिल हैं। रमन्ना विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े थे। वह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के संस्थापक-निदेशक थे और ट्रॉम्बे में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन के रूप में कार्य किया। उन्हें विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा कई मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया था। उन्हें 1975 में भारत के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। रमन्ना का निधन 2004 में मुंबई में 79 साल की उम्र में हुआ।लेकिन आज भी उन्हें भारत के महान परमाणु विज्ञान में भारत को एक नई ऊंचाई पर पहुँचाई है।

(लेखक-संजय गोस्वामी)

जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट केवल एकनारा नहीं

बल्कि भारत के भविष्य का रणनीतिक मंत्र बनकर उभरा है

वैश्विक स्तरपर भारत आज एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसकी सबसे बड़ी पूंजी-युवाशक्ति- के पास न केवल संख्या का बल है,बल्कि बौद्धिक क्षमता,नवाचार की ऊर्जा और वैश्विक नेतृत्व का आत्मविश्वास भी है।इक्कीसवीं सदी का भारत अब केवल संभावनाओं का देश नहीं,बल्कि परिणाम देने वाला राष्ट्र बन चुका है। ऐसे समय में जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट केवल एकनारा नहीं,बल्कि भारत के भविष्य का रणनीतिक मंत्र बनकर उभरा है। यह मंत्र भारतीय युवाओं के चरित्र, कार्यशैली और वैश्विक छवि को परिभाषित करने की क्षमता रखता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं ? आज पूरी दुनियाँ भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता का लोहा मान रही हैअमेरिका यूरोप, एशिया और खाड़ी देशों की बड़ी राजनीतिक संस्थाओं, शासन प्रणालियों, वैश्विक कंपनियों और तकनीकी दिग्गजों में भारतीय मूल के युवा नेतृत्वकारी भूमिकाओं में हैं। सीईओ से लेकर नीति-निर्माता तक, स्टार्ट-अप संस्थापकों से लेकर शोध वैज्ञानिकों तक,भारतीय युवा वैश्विक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बन चुके हैं।यह स्थिति स्वतःनहीं आई,बल्किकठोर परिश्रम ज्ञान-संस्कृति और नैतिक मूल्यबोध का परिणाम है।अब आवश्यकता है कि इस बौद्धिक शक्ति को जीरो डिफेक्ट - जीरो इफेक्ट के सिद्धांत से जोड़ा जाए,ताकि भारत की कार्यसंस्कृति विश्व के लिए एक मानक बने। यही वह मार्ग है जो भारत पर लगाए जा रहे टैरिफ जैसे आर्थिक स्पीड ब्रेकर अस्त्रों को निष्प्रभावी कर सकता है।यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है,तो शासकीय और निजी दोनों क्षेत्रों में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी को यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार राष्ट्र की सबसे बड़ी कमजोरी है।अल्पकालिक व्यक्तिगत सुख सुविधा या स्वार्थ के लिए लिया गया एक भी गलत निर्णय देश की दीर्घकालिक साख को चोट पहुँचाता है।जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट का वास्तविक अर्थ तभी साकार होगा जब कार्यप्रणाली में ईमानदारी,पारदर्शिता और जवाबदेही होगी।निजी हित को परे रखकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देना आज कोई आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि आर्थिक और नैतिक अनिवार्यता बन चुकी है।जब कर्मचारी, उद्यमी और अधिकारी अपने दायित्व को राष्ट्र- निर्माण से जोड़ेंगे,तभी भारत पुनः सोने की चिड़िया की संज्ञा को आधुनिक संदर्भ में सार्थक कर पाएगा न केवल त्रेता युग या सतयुग की कल्पना के रूप में,बल्कि इक्कीसवीं सदी की आर्थिक और तकनीकी वास्तविकता के रूप में भी भारत का हर नागरिक अपने जीवन को स्वर्ग से सुंदर बना सकते हैं।

साथियों बात अगर हम मेक इन इंडिया और जीरो डिफेक्ट -जीरो इफेक्ट का अभिन्न संबंध इसको समझने की करें तो मेक इन इंडिया तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके केंद्र में जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट का दर्शन न हो। विनिर्माण, उत्पादन आपूर्ति श्रृंखला, सेवा क्षेत्र और पर्यावरण हर गतिविधि में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।गुणवत्ता में कोई दोष न हो और पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े यही आधुनिक विकास का वैश्विक मानदंड है।जब भारत में निर्मित वस्तुएँ और सेवाएँ गुणवत्ता, विश्वसनीयता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बनेंगी, तब मेड इन इंडिया केवल एक टैग नहीं, बल्कि भरोसे की मुहर बन जाएगा। दुनियाँ यह कहने लगे कि यदि कोई उत्पाद लेना है, तो भारत में निर्मित उत्पाद ही लेना चाहिए, क्योंकि वह सर्वोत्तम है, टिकाऊ है और नैतिक उत्पादन का सटीक उदाहरण है।

साथियों बात अगर हम विश्व गुरु की अवधारणा और विज़न 2047 इसको समझने की करें तो,यदि विश्व में यह धारणा स्थापित हो जाती है कि भारत की वस्तुएँ और सेवाएँ गुणवत्ता में बेजोड़ हैं,तो भारत का विश्व गुरु बनना कोई दूर का सपना नहीं रहेगा। विज़न 2047 जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा तब तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य तभी प्राप्त होगा,जब विकास केवल आंकड़ों में नहीं,बल्कि मानसिकता और मूल्यों में भी दिखाई दे।भारत की अर्थव्यवस्था का दसवें स्थान से चौथे स्थान तक पहुँचना यह संकेत देता है कि दिशा सही है। अब समय है कि युवा मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की कमान स्वयं संभालें। नेतृत्व केवल पद से नहीं, बल्कि दृष्टि, कौशल और चरित्र से आता है।

साथियों बात अगर हम टेक- आत्मनिर्भर भारत -अगली बड़ी छलांग इसको समझने की करें तो, आने वाले दशक का सबसे बड़ा फोकस टेक-आत्मनिर्भर भारत होना चाहिए।नवाचार अनुसंधान,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर,रक्षा तकनीक,हरित ऊर्जा,बायोटेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर,इन सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता भारत की रणनीतिक सुरक्षा और आर्थिक मजबूती दोनों के लिए आवश्यक है।अब समय आ गया है कि भारत की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए और नए उत्पादों का विकास तेज़ी से किया जाए। ये उत्पाद केवल सस्ते नहीं, बल्कि श्रेष्ठ होने चाहिए,जीरो डिफेक्ट- जीरो इफेक्ट के सिद्धांत पर आधारित। भारत के युवाओं की प्रतिभा ही आत्मनिर्भर भारत के इस विज़न का नेतृत्व करेगी और विश्व को बताएगी कि नवाचार का नया केंद्र अब भारत है।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय हित,स्पष्ट इरादे और ईमानदार प्रयास इसको समझने की करें तो,भारत तेजी से दुनियाँ की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।लेकिन आर्थिक आकार तभी सार्थक होगा जब उसके पीछे राष्ट्रीय हित को समर्पित दृष्टिकोण होगा। चाहे हम राष्ट्र-राज्य की सेवा में हों या निजी क्षेत्र में हम सबको भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस अपनानी होगी।यदि हर नागरिक यह संकल्प ले कि वह एक रुपये का भी भ्रष्टाचार नहीं करेगा, तो विज़न 2047 की मंज़िल तक पहुँचने से भारत को कोई शक्ति नहीं रोक सकती। यह गति सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से आएगी। यह गति स्पष्ट इरादों और ईमानदार प्रयासों से जन्म लेगी।

साथियों बात अगर हम भारतीय प्रधानमंत्री का संदेशऔर युवाओं की भूमिका को समझने की करें तो पीएम द्वारा लाल किले से लेकर विभिन्न मंचों तक और 25 जनवरी 2026 के मन की बात कार्यक्रम में जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट पर दिया गया ज़ोर यह स्पष्ट करता है कि यह केवल औद्योगिक नीति नहीं,बल्कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का आह्वान है। युवाओं के लिए यह संदेश विशेष रूप से रेखांकित करने योग्य है, क्योंकि भविष्य का भारत उन्हीं के हाथों में है।आज जो अवसर, संसाधन और सुविधाएँ उपलब्ध हैं,संभव है भविष्य में वैसीपरिस्थितियाँ न रहें। इसलिए समय की मांग है कि निजी स्वार्थ छोड़कर राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाया जाए और मेक इन इंडिया को अभूतपूर्व प्रतिसाद दिया जाए।

साथियों बात अगर हम टैरिफ की दीवारें और भारतीय गुणवत्ता की ताकत इसको समझने की करें तो यदि भारत जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट के मंत्र पर ईमानदारी से चलता है तो कोई भी देश,चाहे वह अमेरिका ही क्यों न हो 100,500 या 1000 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए,भारतीय उत्पादों की वैश्विक मांग को रोक नहीं सकता।जब गुणवत्ता निर्विवाद होगी,तो टैरिफ की दीवारें स्वयंकमजोर पड़ जाएँगी दुनियाँ तब भारतीय उत्पादों को इसलिए खरीदेगी क्योंकि वे श्रेष्ठ हैं, टिकाऊ हैं और भरोसेमंद हैं। भारत में निर्मित वस्तुओं का ऐसा सिक्का जमेगा कि टैरिफ का बंधन भी उसे रोक नहीं पाएगा। यही स्थिति भारत के विकास और विज़न 2047 की यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मंत्र के सहयोगसे मिशन तक पहुंचने की यात्रा हम आसानी से पूरी कर सकते हैंजीरो डिफेक्ट- जीरो इफेक्ट आज एक मंत्र नहीं, बल्कि मिशन बन चुका है।यह मिशन भारतीय युवाओं की सोच, कार्य और नेतृत्व को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का आह्वान करता है।यदि भारत का हर युवा इसे अपने जीवन और कार्यशैली का हिस्सा बना ले, तो न केवल भारत आत्मनिर्भर बनेगा,बल्कि दुनियाँ के लिए एक नैतिक,टिकाऊ और विश्वसनीय विकास मॉडल भी प्रस्तुत करेगा।विज़न 2047 कोई सपना नहीं, बल्कि एक साकार होने योग्य लक्ष्य है, बशर्ते हम आज सही संकल्प लें, सही दिशा चुनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। यही भारत की शक्ति है, यही भारत का भविष्य हैं।

लेखक-किशन सनमुखदास भावनानीं

लाला लाजपत राय

जिनकी लाठी ने आज़ादी की नींव और मजबूत की

28 जनवरी को महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, आर्य समाज के प्रमुख विचारक तथा प्रखर राष्ट्रवादी नेता लाला लाजपत राय की जयंती मनाई जाती है। अपनी ओजस्वी वाणी, निर्भीक तेवर और अंग्रेजी हुकूमत के सामने कभी न झुकने वाले व्यक्तित्व के कारण वे जनमानस में 'पंजाब केसरी' (पंजाब का शेर) के नाम से विख्यात हुए। उनकी गर्जना(ओजस्वी भाषण) इतनी प्रभावशाली होती थी कि सभाओं में उपस्थित हजारों लोग एक ही आह्वान पर उनके पीछे चल पड़ते थे। निस्संदेह, वे भारतीय इतिहास के उन तेजस्वी सितारों में से एक हैं जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के फिरोज़पुर ज़िले के धुडीके गाँव (तत्कालीन पंजाब, ब्रिटिश भारत) में हुआ था। उनके पिता मुंशी राधाकृष्ण उर्दू-फ़ारसी के विद्वान थे तथा माता गुलाब देवी एक धार्मिक एवं संस्कारवान महिला थीं। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से कानून की पढ़ाई की। इसी दौरान वे स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से अत्यंत प्रभावित हुए और लाहौर में आर्य समाज से जुड़ गए। लाला जी का मानना था कि हिंदू धर्म का नैतिक आदर्शवाद जब राष्ट्रवाद के साथ जुड़ता है, तो वह एक धर्मनिरपेक्ष राज्य (सेकुलर स्टेट) की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील था। वे दृढ़ता से विश्वास करते थे कि बिना शिक्षा के कोई भी राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता। इसी सोच के परिणामस्वरूप उन्होंने युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए तैयार करने हेतु 'सर्वेंट्स ऑफ द पीपल सोसाइटी' की स्थापना की तथा लाहौर में 'नेशनल कॉलेज' की शुरुआत की, जहाँ आगे चलकर भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारियों ने शिक्षा प्राप्त की।वे सामाजिक सुधारों के प्रबल समर्थक थे। 1890 के दशक के अंत में जब भारत के कई भागों में भीषण अकाल पड़ा, तब लाला जी ने राहत कार्यों का नेतृत्व किया और अनाथ बच्चों के लिए अनेक राहत शिविर एवं अनाथालय स्थापित कराए। वे विधवा पुनर्विवाह, स्त्री शिक्षा और छुआछूत उन्मूलन के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत रहे।राष्ट्रीय आंदोलन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल के साथ मिलकर उन्होंने उग्र राष्ट्रवादी नेताओं की प्रसिद्ध त्रयी 'लाल-बाल-पाल' का गठन किया। वे इस त्रयी के प्रमुख स्तंभ थे। वे हिंदू महासभा से भी जुड़े रहे और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध मुखर रहे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में उन्होंने पंजाब के अनेक राजनीतिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। वर्ष 1907 में अंग्रेज सरकार ने उन्हें आंदोलनकारी गतिविधियों के कारण बर्मा निर्वासित कर दिया, किंतु पर्याप्त प्रमाण न होने के कारण कुछ महीनों बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। कम लोगों को ज्ञात है कि 1914 से 1919 के बीच लाला लाजपत राय अमेरिका में रहे। वहाँ उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुँचाया और ब्रिटिश शासन के अत्याचारों से अमेरिकी जनता को अवगत कराया। इसी दौरान उन्होंने 1917 में 'होम रूल लीग ऑफ अमेरिका' की स्थापना कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत की स्वतंत्रता के लिए नैतिक समर्थन माँगा।उन्होंने बंगाल विभाजन का कड़ा विरोध किया, रौलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड की तीखी निंदा की। वे अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। वर्ष 1920 में कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में उन्होंने महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन का समर्थन किया। वर्ष 1926 में वे केंद्रीय विधानसभा के उप-नेता चुने गए। 1928 में जब ब्रिटिश सरकार ने बिना किसी भारतीय सदस्य के साइमन कमीशन भारत भेजा, तो लाला लाजपत राय ने विधानसभा में इसका विरोध प्रस्ताव रखा और लाहौर में इसके खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इसी दौरान उन्होंने ऐतिहासिक नारा दिया-साइमन वापस जाओ(साइमन गो बैक)। लाहौर में साइमन कमीशन के विरोध के दौरान पुलिस अधीक्षक जेम्स स्कॉट के आदेश पर उन पर निर्मम लाठीचार्ज किया गया। गंभीर चोटों के बावजूद उन्होंने अंग्रेज सरकार से कभी क्षमा नहीं माँगी। लाठीचार्ज से पूर्व उनका दिया गया वाक्य-मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत में कील बनेगी। बाद में ऐतिहासिक सत्य सिद्ध हुआ। चोटों के कारण 17 नवंबर 1928 को लाहौर में उनका निधन हो गया। लाला जी की शहादत से क्षुब्ध होकर ही भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने अंग्रेज अधिकारी सॉन्डर्स को मारकर प्रतिशोध लिया।लाला लाजपत राय न केवल एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि वे भारत को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाने वाले दूरदर्शी चिंतक भी थे। उनकी लेखनी भी उतनी ही प्रखर थी- यंग इंडिया, अनहैप्पी इंडिया, भारत का इंग्लैंड पर आरोप, इंडिया विल टू फ्रीडम, भगवद्गीता का संदेश सहित अनेक कृतियाँ उनके विचारों की अमिट धरोहर हैं। वे पंजाब नेशनल बैंक के सह-संस्थापक, आर्य गजट के संपादक और कई शिक्षण-सामाजिक संस्थाओं के प्रेरणास्रोत रहे।अंततः कहा जा सकता है कि पंजाब केसरी लाला लाजपत राय शहादत की वह मशाल हैं, जिनकी लौ भारतीय राष्ट्रवाद को सदैव प्रकाशित करती रहेगी-उन्हें भुला पाना असंभव है।

(सुनील कुमार महला, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

फास्ट ट्रैक

गुंडे ने तलवार मारी

इंदौर यश भारत। भागीरथपुरा में रहने वाले दीपक पिता ओमप्रकाश चौहान ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले गुंडे गोपाल पिता किशन लाल वर्मा ने पुराने विवाद को लेकर तलवार मार दी और धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हंगामा करते पांच बंदी

इंदौर यश भारत। भंवरकुवा पुलिस ने खंडवा नाके पर हंगामा करते हुए मनोज पिता बाबूलाल रघुवंशी कैलाश पिता सुरेश चौहान विजय पिता उमाकांत राठौर और दो अन्य को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सास ससुर पर केस दर्ज

इंदौर यश भारत। फरियादी सीमा माली निवासी पालदा ने पुलिस को बताया कि दहेज की बात को लेकर सास निर्मला बाई और ससुर बंसीलाल माली ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

किशोर का अपहरण

इंदौर यश भारत। विदुर नगर में रहने वाले महेश पिता राम प्रसाद पवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका 15 वर्षीय बेटा राहुल पवार को अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया है।

गांजा पीते धराए

इंदौर यश भारत। अन्नपूर्णा पुलिस ने गांजा पीते हुए गोपाल पिता मोहनलाल कोहली अशोक पिता विष्णु वर्मा श्याम पिता जगदीश चौधरी और जितेंद्र पिता मुन्नालाल परमार को पकड़ा इनके पास से गंजे की पुड़िया बरामद की है। सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

पत्नी का सिर फोड़ा

इंदौर यश भारत। मुसाखेड़ी में रहने वाली हेमलता साहू 45 साल ने पुलिस को बताया कि पति नितिन पिता रमेश साहू को शराब पीने से मना किया तो उसने मारपीट करते हुए सर पर डंडा मार दिया। जिसमें वह घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

चाकू सहित चार बंदी

इंदौर यश भारत। एमआईजी पुलिस ने जितेंद्र पिता बसंत यादव और भारत पिता चंद्रकांत चौधरी को पकड़ा इनके पास से दो चाकू बरामद किए। इसी प्रकार तुकोगंज पुलिस ने राजेश पिता गेंदालाल सेन और विनोद पिता कृष्ण कुमार वर्मा को पकड़ा। इनके पास से भी दो चाकू बरामद किए हैं सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

चाकूबाजी करने वाले गिरफ्तार, टूट गए पैर

इंदौर यश भारत। हीरा नगर पुलिस ने हत्या के प्रयास में फरार तीन

आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना के कुछ ही समय बाद सभी आरोपी, पुलिस की गिरफ्त में आ गए। पुलिस से बचने के लिए यह लोग लगातार अपनी लोकेशन बदल रहे थे। पुलिस से बचने के लिए भागते समय गिरने पर उनके पैर भी टूट गए। आरोपियों के खिलाफ कई थानों में केस भी दर्ज है।

टक्कर से चाचा भतीजा घायल

इंदौर यश भारत। विजयनगर चौराहे पर एक्टिवा सवार आशुतोष पिता रामचंद्र शर्मा निवासी स्कीम नंबर 78 और भतीजा मनीष शर्मा को कार ने टक्कर मार दी। जिसमें दोनों घायल हो गए। पुलिस ने चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

ठेकेदार पर केस

इंदौर यश भारत। फरियादी सूरज पिता बसंत पाल निवासी भगत सिंह नगर ने पुलिस को बताया कि ठेकेदार दिलीप पिता रामाशंकर यादव से मजदूरी के बकाया पैसे लेने गया तो गालियां देते हुए चाकू मार दिया। और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

किशोरी ने जहर खाया

इंदौर यश भारत। गायत्री नगर में रहने वाली किशोरी को परिजनों ने बड़े अस्पताल में भर्ती कराया जाए उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। बताया जाता है कि घरेलू काम नहीं करने पर किशोरी को उसकी मां ने फटकार लगाई थी इसी के चलते हैं ।उसने यह कदम उठाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार के कांच फोड़े

इंदौर यश भारत। महालक्ष्मी नगर में रहने वाले अरविंद पिता चंद्र मोहन बाजपेई ने पुलिस को बताया कि घर के बाहर खड़ी उसकी कार्य के कच दे रात अज्ञात बदमाशों ने फोड़ दिए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

गांजा सहित तीन धराए

इंदौर यश भारत। लसूडिया पुलिस ने विशाल पिता सुनील सूर्यवंशी और देवेंद्र पिता विजय शंकर पोरवाल को पकड़ा इनके पास से 730 ग्राम गांजा बरामद किया है। इसी प्रकार जूनी इंदौर पुलिस ने प्रकाश चौहान से 430 ग्राम गांजा जप्त किया है। सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

चौकीदार ने पकड़ा चोर

इंदौर यश भारत। सांवेर स्थित फैक्ट्री में चोरी करने की नीयत से घुसे शुभम पिता कन्हैया लाल सुनहरे निवासी देवास नाका को चौकीदार घनश्याम पिता ओमप्रकाश राठौर ने रंगे हाथों पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पड़ोसी ने की हरकत

इंदौर यश भारत। महावर नगर में रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि वह घर में अकेली थी तभी पड़ोसी नितिन पिता राम प्रसाद पानी पीने के बहाने आया और छेड़छाड़ करने लगा शोर मचाया तो मारपीट की और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

सिरफिरे प्रेमी ने घर में घुसकर भाई की हत्या की मां को घायल किया- स्वयं को भी चाकू मारे

इंदौर यश भारत। साहित्य, कला संगीत और खेल के क्षेत्र में शहर का नाम रोशन कर उसे महानगर की शक्ल देने के लिए यहां के लोग तेज गति से अग्रसर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शहर के अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि एरोड्रम थाना क्षेत्र में सोमवार -मंगलवार की रात को तीन अलग-अलग अपराधिक घटनाओं में तीन लोगों की मौतें होने से इंदौरियों में भय का माहौल पैदा हो गया है।

एरोड्रम थाना प्रभारी तरुणसिंह भाटी ने बताया कि थाना क्षेत्र के कालानी नगर चौराहे के पास स्थित अंजनी नगर में रहने वाले चश्मे के व्यापारी धर्मेंद्र लखावत के घर में सोमवार की रात को एकतरफा प्रेम में पगलाए युवक देवेंद्र सिंह सोलंकी ने चाकू लेकर घर में घुसकर उसके बेटे वेदांत के सीने में वार कर हत्या कर दी और पत्नी अनीता को तीन बार कर बार कर घायल कर दिया। इस दौरान घबराकर बेटी विधि ने गैलरी में आकर शोर मचाया तो आसपास के लोग उनके घर में आ गए। इस दौरान अनीता ने साहस दिखाते हुए आरोपी को एक कमरे में बंद कर दिया। आसपास के लोगों ने पुलिस के आने पर कमरे का दरवाजा तोड़ा। इसके बाद पुलिस ने कमरे में प्रवेश करके युवक को बातों में उलझाया और इस दौरान युवक ने पुलिस के डर से स्वयं को भी चाकू मार कर घायल कर लिया। आसपास के लोगों ने लहूलुहान वेदांत और अनीता को अरविंदो अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान वेदांत ने दम तोड़ दिया और अनीता का वेंटीलेटर पर इलाज चल रहा है।

टीआई ने बताया कि आरोपी देवेंद्र के खिलाफ रविवार को युवती विधि के भाई वेदांत की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को थाने बुलाकर समझाया था। इस पर आरोपी ने लिखित में माफीनामा दिया था, लेकिन इसके बावजूद भी वह नहीं माना और सोमवार को विधि के मोबाइल फोन पर तीन बार में 8 रुपए भेज दिए। जब विधि ने इसका कोई जवाब नहीं दिया तो आरोपी देवेंद्र गुस्से में चाकू लेकर उसके घर में घुस गया। क्षेत्र के डीसीपी कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि आरोपी देवेंद्र करीब डेढ़ साल पहले विजयनगर क्षेत्र में स्थित अग्रवाल आई क्लिनिक में युवती विधि के साथ काम करता था। यह युवक और युवती मोबाइल पर पिछले एक साल से चैटिंग कर रहे थे। अभी कुछ माह पूर्व विधि ने अग्रवाल आई क्लीनिक छोड़कर चौधरी आई क्लीनिक में काम करना शुरू कर दिया है। आरोपी देवेंद्र वहां पहुंचकर विधि को परेशान करने लगा। मृतक वेदांत के परिजनों ने उसकी मौत के बाद उसकी आंखें अस्पताल में दान कर दी। मृतक वेदांत मेडिकैप्स कॉलेज में बीटेक प्रथम ईयर की पढ़ाई कर रहा था आरोपी के हमले के दौरान वेदांत ने अपनी मां को बचाने का भरपूर असफल प्रयास किया।

जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर ने सुनीं 57 शिकायतें

धोखाधड़ी और पारिवारिक विवाद मामलों में अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

इंदौर यश भारत। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशों के पालन में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मंगलवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने स्वयं आवेदकों की व्यथा सुनी और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के भीतर शिकायतों का निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक से व्यक्तिगत संवाद कर उन्हें उचित न्याय और सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

जनसुनवाई के दौरान आज कुल 57 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मुख्य रूप से धोखाधड़ी और आपसी विवाद से जुड़े मामले सामने आए। आवेदकों ने प्लॉट व जमीन संबंधी धोखाधड़ी, फाइनेंशियल फ्रॉड, पारिवारिक कलह, महिला अपराध और पुलिस द्वारा सुनवाई न होने जैसी समस्याओं से पुलिस कमिश्नर को अवगत कराया। इन गंभीर मामलों को देखते हुए संतोष कुमार सिंह ने तत्काल संबंधित थाना प्रभारियों और एसीपी स्तर के अधिकारियों को फोन पर दिशा-निर्देश दिए कि

शिकायतों की गंभीरता से जांच कर आवेदकों को राहत प्रदान की जाए।इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) अमित सिंह सहित सभी जोन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। पुलिस कमिश्नर के निर्देशों पर अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना और मौके पर ही कई मामलों में आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की। पुलिस कमिश्नर ने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इंदौर पुलिस शहरवासियों के हितों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कार ने सड़क पार कर रहे युवक की ली जान

इंदौर यश भारत। जनवरी राऊ क्षेत्र में मंगलवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जहां सड़क पार कर रहे एक युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से घायल को तत्काल उपचार के लिए बड़े अस्पताल भेजा गया। मृतक की पहचान सुनील डाबर (21) पिता कैलाश डाबर, निवासी भाटखेड़ी, राऊ के रूप में हुई है। बताया गया कि सुनील घर जाने के लिए सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार कार क्रमांक एमपी 09 टीएक्स 8942 तेज गति से आई और पहले एक बाइक सवार को टक्कर मार दी।

कार की टक्कर के बाद सुनील उसकी चपेट में आ गया और

उछलकर दूर जा गिरा। हादसे में उसे सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद घायल को अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में इलाज के दौरान सुनील की मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। युवक की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सुनील लोडिंग वाहन पर काम करता था। उसके परिवार में माता-पिता और एक छोटा भाई है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

इंदौर यश भारत। इंदौर में एक अन्य सड़क हादसे में खंडवा रोड पर सावन (19 वर्ष) पिता हुकुम निवासी ग्राम भगोरा की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक सावन बाइक से आ रहा था, तभी एक चार पहिया वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल सावन के परिजनों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

व्यापारी को धमकाया

इंदौर यश भारत। छावनी अनाज मंडी में व्यापार करने वाले महेश पिता ओमप्रकाश मेहता ने पुलिस को बताया कि पैसे के लेनदेन की बात को लेकर आरोपी सुरेश मालवीय ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

युवक पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने वाले को किया गिरफ्तार

इंदौर यश भारत। खजराना पुलिस ने एक युवक की शिकायत पर उज्जैन में रहने वाले आरिफ शाह को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और मारपीट के आरोप लगे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेशपुरी कॉलोनी निवासी युवक की रिपोर्ट पर आरिफ शाह निवासी उज्जैन के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पीड़ित का आरोप का आरोप है कि आरोपीय लंबे समय से उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था।

पीड़ित युवक ने पुलिस को बताया कि आरिफ शाह ने दिसंबर 2025 में पहली बार उसे धर्म परिवर्तन को लेकर बात की थी। आरोपी ने कहा था कि धर्म बदलने पर उसे अच्छा पैसा मिलेगा। जब युवक ने मना किया तो आरोपी ने दबाव बनाकर उसके साथ मारपीट भी की।

पीड़ित के मुताबिक 26 जनवरी को जब वह घर पहुंचा तो उसकी मुलाकात फिर आरिफ से हुई। आरोपी ने दोबारा धर्म परिवर्तन को लेकर चर्चा की जब उसने इंकार किया तो धमकाने लगा। इसके बाद पीड़ी थी युवक ने विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को जानकारी दी और उसे लेकर थाने पहुंचे शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दसवीं की छात्रा के साथ छेड़छाड़ कर रहे पुलिसकर्मी पर केस दर्ज

इंदौर यश भारत। छतरीपुरा थाने में पदस्थ एक आरक्षक पर दसवीं की छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में पुलिस ने देर रात आरक्षक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छतरीबाग क्षेत्र में रहने वाली छात्रा ने बताया कि मंगलवार को वह कोचिंग जा रही थी इसी दौरान जय रामपुर कॉलोनी के पास आरोपी आरक्षक दीपक ने उसका रास्ता रोका हाथ पकड़ लिया और घर छोड़ने की बात कही। छात्रा ने किसी तरह अपना हाथ छुड़ाया और कोचिंग चली गई।

छात्रा के मुताबिक इससे पहले भी आरोपी आरक्षक कई बार रास्ते में रोक कर नाम पता पूछ चुका था और लगातार उसका पीछा कर रहा था। आरोपी पुलिस

की वर्दी में रहता था इस कारण डर के चलते पीड़िता ने पहले किसी को यह बात नहीं बताई बाद में उसने पूरी घटना की जानकारी अपने परिजन को दी।

देर रात थाने पहुंचे लोग

घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्र के बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुष थाने पर पहुंचे और आरोपी आरक्षक पर कार्रवाई की मांग की। महिलाओं ने कहा कि आरक्षक दीपक क्षेत्र में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करता है। सूचना पर अतिरिक्त उपायुक्त हेमंत चौहान पहुंचे और इसके बाद आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी आरक्षक दीपक डायल 100 पर तैनात था।

मेडिकैप्स कॉलेज छात्रा से रेप, केस दर्ज

इंदौर यश भारत। महू के किशनगंज थाना अंतर्गत मेडिकैप्स कॉलेज की एक छात्रा के साथ रेप किए जाने की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रा कॉलेज से अपने हॉस्टल लौट रही थी तभी कॉलेज से कुछ ही दूरी पर एक युवक ने उसके साथ वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद छात्रा अपने हॉस्टल पहुंची। और अपने मित्र को जानकारी दी जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। देहात एसडीओपी ललित सिकरवार ने बताया कि आरोपी की पहचान भी नहीं हो पाई है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा के फुटेज चेक कर रही है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता की हालत स्थिर है। इसी प्रकार रंगवासा क्षेत्र में रहने वाली किशोरी की शिकायत पर अशोक पिता रमेश सोलंकी के खिलाफ छेड़छाड़ की धारा में केस दर्ज किया है।

पंचकुइया क्षेत्र में पुलिस का सर्च ऑपरेशन

एडिशनल डीसीपी और एसीपी ने अंधेरे इलाकों में खुद उतरकर की जांच

इंदौर यश भारत। शहर में अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए इंदौर पुलिस लगातार एक्शन मोड में नजर आ रही है। इसी कड़ी में मंगलवार शाम को पुलिस ने पंचकुइया मंदिर नाले के आसपास स्थित संवेदनशील क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया।

इस विशेष अभियान का नेतृत्व एडिशनल डीसीपी मीना चौहान और एसीपी विवेक सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से किया। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और क्षेत्र में तैनात जवानों को सतर्कता के निर्देश दिए।

एसीपी विवेक सिंह चौहान ने अभियान के दौरान नाले के किनारे बने तथाकथित ह्यशैडो एरियाह्न और अंधेरे ठिकानों पर विशेष ध्यान दिया। इन स्थानों को लेकर पूर्व में संदिग्ध गतिविधियों और आपराधिक तत्वों की मौजूदगी की लगातार शिकायतें मिलती रही हैं।

पुलिस टीम ने नाले के पास मौजूद झाड़ियों, पुलिया के नीचे और सुनसान

कोनों में टॉर्च की रोशनी में गहन सर्चिंग की। एसीपी चौहान स्वयं मौके पर मौजूद रहे और हर संदिग्ध स्थान की बारीकी से जांच करवाई, ताकि कोई अपराधी या नशेड़ी छिपकर वारदात की योजना न बना सके।

अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की गई और उनकी गतिविधियों की जानकारी जुटाई गई। पुलिस ने मौके पर मौजूद कुछ लोगों को चेतावनी देते हुए क्षेत्र में अवैध गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत भी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पंचकुइया मंदिर नाले का यह इलाका पूर्व में कई बार असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को लेकर चर्चा में रहा है, जिसको देखते हुए यहां विशेष निगरानी रखी जा रही है। पुलिस की मौजूदगी से क्षेत्र के नागरिकों ने भी राहत महसूस की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के सघन चेकिंग अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे। अचानक की गई इस कार्रवाई से क्षेत्र में मौजूद असामाजिक तत्वों में हड़कंप की स्थिति देखी गई।

असामाजिक तत्वों को चेतावनी

एडिशनल डीसीपी मीना चौहान और एसीपी विवेक सिंह चौहान की मौजूदगी में हुई इस सर्चिंग से इलाके के बदमाशों में खलबली मच गई। अभियान के दौरान एसीपी चौहान ने कई संदिग्धों को रोककर उनसे पूछताछ की और क्षेत्र में बिना काम घूमने वालों को सख्त चेतावनी दी। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद टीम को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व जमा होते हैं, वहाँ रात की गश्त (पेट्रोलिंग) को और अधिक कड़ा किया जाए।

आम जनता के बीच बढ़ाया विश्वास

अधिकारियों की इस सक्रियता का उद्देश्य न केवल अपराधियों में डर पैदा करना था, बल्कि आम नागरिकों के बीच सुरक्षा का भाव जगाना भी था। एसीपी विवेक सिंह चौहान ने बताया कि पंचकुइया मंदिर नाले के आसपास का इलाका भौगोलिक रूप से काफी कटा हुआ है, इसलिए यहाँ समय-समय पर ऐसी आकस्मिक सर्चिंग करना बेहद जरूरी है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पूरे शेडो क्षेत्र की मैपिंग भी की ताकि भविष्य में सुरक्षा इंतजामों को और बेहतर बनाया जा सके।

दो दिन रोशनी में नहाया शहर, नर्मदा जयंती ओर गणतंत्र दिवस की रही रौनक

महोत्सव सा रहा माहौल, उत्साह और उमंग में डूबा रहा जिला

नर्मदापुरम यश भारत

लगातार दो दिन तक शहर की रौनक देखते ही बनती थी,एक दिन नर्मदा जयंती दूसरे दिन गणतंत्र दिवस की खुशियां शहर में दिखाई पड़ रही थी, नर्मदा के तट रोशनी में नहाए थे, दियों की रोशनी पानी पर तैर रही थी, गणतंत्र दिवस के चलते शासकीय भवनों पर रोशनी फैली हुई थीं, शहर किसी दुल्हन की तरह सजाया गया था, शासन प्रशासन ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी।

मुख्यमंत्री वर्चुअल जुड़े

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आयोजित नर्मदा प्राकट्योत्सव के कार्यक्रम में वर्चुअल उपस्थित रहे। उन्होने 20 करोड रूपये की राशि से निर्मित किए जाने वाले नर्मदा लोक कॉरिडोर एवं जल निकासी संरचना के निर्माण कार्य का वर्चुअल भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदापुरम वासी सौभाग्यशाली है क्योकि यहां नर्मदा एवं तवा नदी का अद्भुत संगम है। लोगो को आकर्षित करने वाला पर्यटन स्थल पचमढी भी यहां है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा लोक कॉरिडोर के निर्माण से नर्मदापुरम जिले में पर्यटन एवं इंडस्ट्री को वृहद रूप से बढावा मिलेगा। नर्मदापुरम वासियों को नर्मदा जयंती धूमधाम से मनाने और उसका आनंद लेने को कहा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मां नर्मदा का महत्व सभी नदियो से अलग है। स्वयं माता अहिल्या ने मां नर्मदा की कृपा से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रेरणा देते हुए देश की चारो दिशाओं में विकास के कार्य किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा जन्म क्षिप्रा नदी के किनारे हुआ है लेकिन आज नर्मदा नदी के पावन तट में मैं आज आपके साथ आनंद मना रहा हूं। ?

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री रहे उपस्थित

प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने सपत्नीक नर्मदा प्राकट्योत्सव के अवसर पर सेठानी घाट पर विधिवत मां नर्मदा का पूजन अर्चन किया। उन्होने कहा कि नर्मदा जल की माटी हमें गौरव प्रदान करती है। इस माटी में जन्म लेने से हम सब को ईश्वर प्रदत्त शक्ति मिलती है। उन्होने कहा कि आगामी 03 वर्षो में सभी जीर्ण शीर्ण स्कूल भवनों की मरम्मत कर सभी स्कूलों में शौचालयों की स्थापना कर विद्युत व्यवस्था सुनिश्ति की जाएगी। उन्होने कहा कि प्रदेश में 200 नए सांदीपनी स्कूल खोलना प्रस्तावित है। नर्मदापुरम जिले में भी आवश्यकता के अनुसार सांदीपनी स्कूल खोले जाएंगे।

मॉ नर्मदा की प्रतिमा का अनावरण किया

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने भोपाल तिराहा पर स्थापित मॉ नर्मदा जी की 8 फीट की भव्य मूर्ति का अनावरण किया तथा 40 फीट ऊंचे त्रिशूल का लोकार्पण किया।

राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने फहराया तिरंगा, ली परेड की सलामी

जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास व उमंग के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में राज्यमंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. शासन नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने झंडा वंदन कर परेड की सलामी ली तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन किया। राज्यमंत्री, श्री पटेल ने परेड दल नायकों से परिचय प्राप्त किया। इसके पश्चात स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं लोक तंत्र सेनानियों के परिजनों का शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। परेड में जिला पुलिस महिला प्लाटून एवं सांस्कृति कार्यक्रम में शा. हाय. स्कूल भरगढा को एवं झांकी में कृषि विभाग को प्रथम पुरूस्कार मिला।

महिला, बच्चे को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ी

शिकायतों के बाद भी,कार्यवाही नहीं होने का आरोप

नर्मदापुरम यश भारत

शहर के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में घरेलू विवाद को लेकर एक महिला अपने 2 साल के बच्चे को लेकर टंकी पर चढ़ गई जिससे हड़कंप मच गया। महिला को काफी समझाईश दी गई लेकिन वह उतरने को तैयार नहीं थी। जिला और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और महिला को नीचे उतारा। तहसीलदार सरिता मालवीय ने समझाईश देकर बच्चे सहित महिला को नीचे लेकर आई। इस मौके पर थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे । बताया जाता है कि महिला का पारिवारिक विवाद है और इसके चलते उसने यह कदम उठाया है। महिला को उतारने के लिए दमकल भी पहुंची और उसको समझाया । यह नजारा देखकर आसपास लोग इकट्ठा हो गए और काफी समझाईश के इसके बाद महिला नीचे आई कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना क्रम–नगर की हाऊसिंग बोर्ड, भारत माता पार्क के पास नयी पानी की टंकी पर एक महिला अपने चार साल के मासूम बच्चे को लेकर सुबह 8.30 बजे चढ़ गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में कालोनी के लोगों की भीड़ जमा हो गई।सूचना के बाद पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।संवेदनशीलता और सूझबूझ के साथ पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने महिला को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान देहात थाना, कोतवाली थाना और महिला थाने का बल मौजूद रहा। नगरपालिका की बचाव टीम भी मौके पर रही।लगभग 2.30 घंटे की मशक्कत के बाद तहसीलदार सरिता मालवीय ने महिला को कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद महिला को टंकी से सुरक्षित नीचे उतारा गया। महिला ने टंकी पर से रो-रोकर ससुराल पक्ष पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाए। पूर्व में शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू की है।

नर्मदा को मशीनों से छलनी कर रहे रेत माफिया...!

सिवनी मालवा, यश भारत

मां नर्मदा की गोद में रेत माफिया ने खुलेआम तबाही का तांडव मचा रखा है। बाबरी घाट पर नदी के बीचों-बीच रेत के ऊंचे टीले बनाकर भारी भरकम पोकलेन, जेसीबी और डंपरों से अवैध खनन किया जा रहा है। तस्वीरें साफ गवाही दे रही हैं कि यह कोई चोरी-छिपे नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की मिलीभगत से चल रहा संगठित खेल है।नदी के भीतर पाइप लाइन और आधुनिक उपकरणों से गहराई तक रेत खींची जा रही है और तुरंत मशीनों से ट्रकों में भरकर रवाना की जा रही है। पूरा इलाका मानो खनन फैक्ट्री में तब्दील हो चुका है।सबसे गंभीर सवाल यह है कि इतना बड़ा अवैध कारोबार प्रशासन की आंखों के सामने कैसे फल-फूल रहा है? क्या खनिज विभाग, राजस्व अमला और पुलिस को यह नजर नहीं आ रहा या सब कुछ जानबूझकर नजर अंदाज किया जा रहा है? स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रहे खनन से नर्मदा का जलस्तर घट रहा है, किनारे धंस रहे हैं और आने वाले समय में भारी पर्यावरणीय संकट खड़ा हो सकता है। आस्था की नदी को कुछ लोग करोड़ों की कमाई के लिए खोखला कर रहे हैं।

जगह-जगह शान से फहराया तिरंगा, नगर में उल्लास के साथ मनाया गया राष्ट्रीय पर्व

सिवनीमालवा, यशभारत। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय पर्व पूरे हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। शासकीय कार्यालयों, नगर के प्रमुख चौक- चौराहों, शिक्षण संस्थानों एवं ग्राम पंचायतों में ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई।नगर पालिका कार्यालय में नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति शैलेन्द्र गौर ने ध्वजा रोहण किया, वहीं जयस्तम्भ चौक पर नगरपालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने तिरंगा फहराया।एसडीओपी कार्यालय में एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान, थाना परिसर में थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर तथा तहसील कार्यालय में एसडीओ विजय राय द्वारा ध्वजा रोहण किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार नितिन कुमार झोड़, नायब तहसीलदार कीर्ति प्रधान सहित समस्त राजस्व अमला उपस्थित रहा।

यूजीसी कानून के विरोध में ज्ञापन

निकाली वाहन रैली

नर्मदापुरम यश भारत

सपाक्स स्पीक संस्था जिला इकाई नर्मदापुरम ने आज एक बजे पीपल चौक पर एकत्रित होकर वाहन रैली के रूप में एस पी आफिस में जाकर भारत सरकार द्वारा जारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यू.जी.सी.काले कानून को वापस लेने विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों को राजनीति का अखाड़ा न बनने दें। संविधान के अनुच्छेद -14 समानता के अधिकारों की रक्षा करने एवं वर्ग भेद को समाप्त कर भारत की एकता एवं अखंडता को संरक्षित करने का महामहिम राष्ट्रपति महोदया भारत सरकार को संबोधित ज्ञापन सौंपा साथ ही पुलिस अधीक्षक जिला नर्मदापुरम को संजय जैन सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास जिला नर्मदापुरम के विरूद्ध शिकायत की निष्पक्ष जांच करायें जाने हेतु प्रथक से ज्ञापन सौंपा गया।इस अवसर पर सामाजिक समरसता संगठन के जिला अध्यक्ष अरूण दीक्षित लिपिक संघ के जिला अध्यक्ष अरविंद तिवारी लघुवेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह राजपूत समाज सेवी बद्री प्रसाद कौरव अरूण दुबे संस्था के जिला प्रवक्ता केशरीसिंह राजपूत कोषाध्यक्ष नवीन चन्द्र दुबे सचिव अमित जायसवाल उपकोषाध्यक्ष तरूण लोवंशी सौरभ भट्ट रश्मि वर्मा कु.जयवाला निगम जिला अध्यक्ष आउटसोर्स कर्मचारी संघ वैशाली मेहतो सचिव राहुल शर्मा कोषाध्यक्ष सीताराम शर्मा सह सचिव शैलेन्द्र शर्मा नर्मदा प्रसाद चौरे बृजमोहन सिंह राजपूत आशुतोष दुबे संगठन मंत्री राजेश यादव अंकित शर्मा सौरभ साहू पंकज राय अमित गौर आशु पटेल मलखान सिंह यादव ओम् प्रकाश आदि लोगों ने वाहन रैली व ज्ञापन में भाग लिया।

ड्राय डे पर बेखौफ बिकी शराब ग्रामीणों ने खुद संभाला मोर्चा

सिवनी मालवा, यश भारत

गणतंत्र दिवस जैसे पवित्र अवसर पर भी नर्मदा तट के हथनापुर ग्राम में शराब माफिया बेखौफ नजर आया। ड्राय डे की धज्जियां उड़ाते हुए बस स्टैंड सहित कई स्थानों पर खुलेआम अवैध शराब की बिक्री होती रही। प्रशासन की चुप्पी से आक्रोशित ग्रामीणों ने एकजुट होकर दुकानों पर छापा मारते हुए शराब जब्त की और मौके पर ही नष्ट कर दी।ग्रामीणों के अनुसार पंचायत में ध्वजारोहण के दौरान सूचना मिली कि जीवन कीर, दिलीप रामकृष्ण लोवंशी एवं राजू कीर की दुकानों पर लोग खुलेआम शराब पी रहे हैं। इसके बाद सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अवैध शराब बाहर निकालकर सड़क पर बहा दी। साथ ही गुवाड़ी क्षेत्र के एक निजी ढाबे को भी कड़ी चेतावनी दी गई।हैरानी की बात यह है कि कुछ दिन पूर्व प्रशासन ने यहां कार्रवाई की थी, फिर भी दुकानदारों के हौसले बुलंद रहे।

आधार अपडेट नहीं होने से 6 माह से परेशान वृद्ध महिला को ठेले पर लेकर पहुंचा हम्माल

नर्मदापुरम, यशभारत।

आधार अपडेट नहीं होने के कारण एक बुजुर्ग को राशन दुकान से राशन नहीं मिल पा रहा था। बताया गया कि विगत 6 माह से यह बुजुर्ग महिला परेशान थी । चलने फिरने में असमर्थ इस असहाय बुजुर्ग महिला को कोई ले जाने वाला नहीं था जो कि उसका आधार अपडेट करवा सके। ऐसे में एक हाथठेला वाले हम्माल ने मानवता दिखाई ओर बुजुर्ग महिला की पीड़ा को सुन उसने उनकी मदद के लिए आगे हाथ बढ़ाया। आधार अपडेट कराने के लिए उन्हें नजदीकी केंद्र तक पहुंचना था, लेकिन पैरों में ताकत नहीं थी और कोई सहारा नहीं था। हम्माल ने बुजुर्ग महिला को अपने ठेले पर बैठाया और करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित आधार सेवा केंद्र तक पहुंचाया ओर उसका आधार अपडेट कराया । सम्भवतः अब महिला को राशन मिल पाएगा। आधार अपडेट नहीं होने के कारण उसे 6 माह से राशन नहीं मिल पा रहा था। लेकिन बाजार में एक हाथ ठेला चलाने वाला हम्माल उस असहाय ओर लाचार महिला के लिए देवदूत बनकर सामने आया और बुजुर्ग महिला की मदद कर संवेदना ओर मानवता का परिचय दिया।

जनसुनवाई बनी चर्चा का विषय अर्धनग्न होकर पहुंचे शिकायतकर्ता

नर्मदापुरम यश भारत

कलेक्टर की जनसुनवाई में सिवनी मालवा की दो भाई अर्धनंद्र अवस्था में कफ़न और माला हांथो मे रख कलेक्टर परिसर में मंजीरे बजाते हुए राम-राम सत्य है के नारे लगाते अपनी शिकायत लेकर पहुंचे भाइयों के साथ उनकी मां भी मौजूद थी, उन्होंने राम नाम सत्य है कि नारे लगाते हुए ,अपनी शिकायत रखी ,यह सब देख और सुन मौजूद तहसीलदार सरिता मालवीय भड़क उठी, और कड़ी आपत्ति जताई तहसीलदार ने सख्त लफ्जों में शिकायतकर्ता को पुलिस बुलाकर अंदर करने की चेतावनी भी दे डाली, अधिकारी का यह रूप देख शिकायतकर्ता सेहम गए ,व उसकी मां तहसीलदार के पैर पड़ने लगे और न्याय की भीग मांगने लगा शिकायतकर्ता कलेक्टर से मिलने की शर्त पर शांत हुए ,उसे कपड़े पहन कर अंदर ले जाकर उसकी सुनवाई की गई शिकायतकर्ता कई दफा सरकारी गोह पर अपना हक जाता रहा है जैसे लेकर कई दफा हो प्रशासन के अलग-अलग अधिकारियों को आवेदन भी दे चुका है अपनी मांग पूरी न होने पर शिकायत करता ने विरोध का यह तरीका अपनाया

अधिकारी का कहना हैं – 'अभी तक शासकीय भूमि जो कि खाली थी तो उसके मध्यम से उनका आवा गमन हो रहा था, उससे पानी निकासी भी हो रही थी परंतु क्योंकि अभी शासकीय योजनाओं के तहत उसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर बन गए हैं तो उनका आवा गमन बाधित हो रहा है और पानी निकासी को भी अवरूद किया जा रहा है तो उनका यही कहना था कि उस जमीन को खाली कराया जाए। '

शासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए, आश्वासन दिया हैं कि नियमानुसार इस मामले मैं शीघ्र कार्यवाही करेंगे7

युवराज सिंह का रिकॉर्ड बच गया? अभिषेक शर्मा ने के जवाब ने जीता करोड़ों फैंस का दिल

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम दर्ज है। उन्होंने साल 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में फिफ्टी जड़कर इतिहास रचा था। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में अभिषेक शर्मा इस रिकॉर्ड को तोड़ने के बेहद करीब पहुंच गए थे। हालांकि वह इस ऐतिहासिक उपलब्धि को छूने से चूक गए और 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसके बावजूद उनकी पारी ने फैंस और क्रिकेट के दिग्गजों का दिल जीत लिया।

मैच के बाद अभिषेक शर्मा से युवराज सिंह का रिकॉर्ड न टूट पाने को लेकर सवाल किया गया। इस पर अभिषेक ने ब्रॉडकास्टर्स से बातचीत में बेहद सधे हुए अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि युवराज सिंह का रिकॉर्ड तोड़ना किसी भी बल्लेबाज के लिए नामुमकिन से भी ज्यादा मुश्किल है। साथ ही उन्होंने यह भी माना कि क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है और कोई भी बल्लेबाज ऐसा कर सकता है। अभिषेक शर्मा ने आगे कहा कि इस सीरीज में सभी बल्लेबाज बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं और आने वाले मुकाबलों में और भी रोमांच देखने को मिलेगा। उनका मानना है कि जब टीम का माहौल सकारात्मक होता है, तो व्यक्तिगत रिकॉर्ड अपने आप बनने लगते हैं। अभिषेक का यह बयान उनकी परिपक्व सोच और टीम फर्स्ट अप्रोच को दर्शाता है।

पहली ही गेंद पर ठोका छक्का- अभिषेक शर्मा ने इस मैच में भी अपनी पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर खाता खोला। हाल के समय में वह कई बार ऐसा कर चुके हैं। इस पर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह जानबूझकर पहली गेंद से अटैक करने की योजना नहीं बनाते। यह सब एक तरह का इंस्टिंक्ट होता है, जो पिच पर पहुंचने के बाद खुद-ब-खुद काम करता है। उन्होंने बताया कि वह गेंदबाज के बारे में सोचते हैं कि वह पहली गेंद पर किस तरह की डिलीवरी कर सकता है और उसी हिसाब से प्रतिक्रिया देते हैं। अभिषेक का फोकस सिर्फ सही गेंद को सही तरीके से खेलने पर रहता है।

यदि बात करें मुकाबले की तो टीम इंडिया ने पहले से ही न्यूजीलैंड को पूरी तरह दबाव में रखा। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 153 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने 48 रन की सबसे बड़ी पारी खेली, जबकि जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द मैच बने। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने महज 10 ओवर में ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। अभिषेक शर्मा ने 68 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 57 रन बनाकर टीम को आसान जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारत ने न सिर्फ सीरीज में दबदबा बनाया, बल्कि कई बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिए।

पाकिस्तान का हो जाएगा खस्ताहाल

भारत के खिलाफ मैच बायकॉट किया तो 38 मिलियन डॉलर का होगा मुकदमा!

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी भले ही घरेलू राजनीति में संतुलन साधने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन ञ्र20 वर्ल्ड कप 2026 या भारत के खिलाफ मुकाबले के बहिष्कार की चर्चाएं ज़मीनी हकीकत से दूर नजर आती हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा कोई भी कदम क्क्षक्क को भारी कानूनी और आर्थिक संकट में डाल सकता है. पाकिस्तान ने T20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है, हालांकि टूर्नामेंट में औपचारिक भागीदारी को लेकर बोर्ड अब भी सरकारी मंजूरी का इंतजार कर रहा है. फिलहाल मैनेजमेंट का रुख यही है कि अंतिम फैसला सरकार के निर्देशों के बाद ही लिया जाएगा.

प्रधानमंत्री से मुलाकात, जल्द होगा अंतिम फैसला

इसी मुद्दे पर चर्चा के लिए मोहसिन नकवी ने सोमवार को प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ से मुलाकात की. बैठक के बाद नकवी ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि ICC से जुड़े सभी पहलुओं पर बात हुई है और निर्णय बहुत जल्द या तो शुक्रवार को या फिर अगले सोमवार तक ले लिया जाएगा.

ICC का ये समझौता PCB को बांधता है कानूनी दायरे में

PCB ने अन्य क्रिकेट बोर्डों की तरह ढ्ढष्टष्ट के साथ मेंबर पार्टिसिपेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं. यह एक कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज़ है, जिसके तहत टूर्नामेंट या किसी खास मैच से हटने पर गंभीर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं.

भारत के खिलाफ मैच छोड़ना पड़ सकता है महंगा

अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ मुकाबला नहीं खेलता है, तो होस्ट ब्रॉडकास्टर द्वारा कानूनी कार्रवाई की संभावना काफी ज्यादा है. RevSport5 के रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस एक मैच से जुड़े विज्ञापन, ब्रांडिंग और स्पॉन्सरशिप से करीब 38 मिलियन डॉलर की कमाई जुड़ी हुई है. ऐसे में क्क्षक्क से भारी मुआवजे की मांग की जा सकती है.
बहिष्कार नहीं मगर नुकसान तय

टी20 विश्वकप से बाहर होने से बांग्लादेश को होगा नुकसान

मुम्बई। बांग्लादेश ने इस बार आईसीसी टीम20 विश्वकप के लिए अपनी टीम भेजने से इंकार तो कर दिया है पर ये फैसला उसके लिए आर्थिक रुप से भी बेहद नुकसान दायक रहेगा। इससे जहां उसपर प्रतिबंध सहित कई और खतरे मंडरा रहे हैं। वहीं उसक खिलाड़ियों को भी काफी नुकसान हुआ है और वे एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से वंचित हो गये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेशी खिलाड़ी टूर्नामेंट में खेलने के पक्ष में थे, लेकिन उनसे इस फैसले पर कोई चर्चा नहीं की गई। भारत न जाने का निर्णय पूरी तरह सरकार और बोर्ड स्तर पर लिया गया, जिससे खिलाड़ी खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। जहां तक आर्थिक नुकसान की बात है।

विश्वक कप से बाहर होने के बाद बांग्लादेश को केवल ग्रुप स्टेज की भागीदारी फीस के तौर पर ही 3 लाख से 5 लाख डॉलर (करीब 3.6 से 6.7 करोड़ बांग्लादेशी मुद्रा टका) का नुकसान हो सकता है। इसके अलावा आईसीसी के मेंबर पार्टिसिपेशन एग्रीमेंट (एमपीए) के तहत बिना ठोस कारण टूर्नामेंट में हिस्सा न लेने के लिए उसपर करीब 24 करोड़ टका तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इसके अलावा, बांग्लादेश को टूर्नामेंट के राजस्व में भी हिस्सा नहीं मिलेगा। जिससे उसे करीब 2.7 करोड़ डॉलर (325-330 करोड़ टका) का नुकसान हो सकता है। यह रकम बीसीबी की सालाना आय का लगभग 60 फीसदी है। इसके अलावा खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय ब्रांड अनुबंध भी खतरे में हैं। भारतीय खेल उपकरण निर्माता कंपनियों भी उसके खिलाड़ियों के साथ करार समाप्त करने विचार कर रही हैं।

सनराइजर्स ने तीसरी बार जीता टी 20 का खिताब

केपटाउन, एजेंसी। सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने टी 20 सीजन-4 का खिताब जीत लिया है। रविवार को केपटाउन के न्यूलैंड्स ग्राउंड पर खेले गए फाइनल में सनराइजर्स ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को 6 विकेट से हरा दिया। टीम तीसरी बार टी 20 की चैंपियन बनी है। इससे पहले उसने शुरुआती दो सीजन में ट्रॉफी अपने नाम की थी। फाइनल मुकाबले में सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। डेवाल्ड ब्रेविस (56 बॉल पर 101 रन) की सेंचुरी की बदौलत प्रिटोरिया कैपिटल्स ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 158 रन बनाए। ब्रायस पारसंस ने 20 और शेफाने रदरफोर्ड ने 17 रन बनाए। प्रिटोरिया के लिए मार्को यानसन ने 10 रन देकर 3 विकेट लिए। जवाब में सनराइजर्स ने 19.2 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। मैथ्यू ब्रिट्जके ने 68 और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने 63 रन बनाए। स्टब्स ने 20वें ओवर की पहली दो गेंदों पर लगातार दो छक्के जमाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

विशाखापत्तनम में सूर्यकुमार यादव रचेंगे इतिहास! बस एक छक्का लगाकर मचाएंगे डबल धमाल

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और मिस्टर 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव इस वक्त अपने करियर के सुनहरे दौर में लौट चुके हैं. न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टी20 इंटरनेशनल सीरीज़ में उनका बल्ला जिस अंदाज में आग उगल रहा है, उसने एक बार फिर साबित कर दिया है कि क्यों उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक ञ्र20 बल्लेबाज़ों में गिना जाता है. सूर्या आज न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे ञ्र20ढ्ढ में दो बड़े ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं और सिर्फ एक छक्के के साथ टी20 क्रिकेट के एक खास क्लब में शामिल हो जाएंगे.

नंबर 4 पर छक्कों का नया इतिहास रचने के करीब SKY

टी20 क्रिकेट में नंबर4 पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए सूर्यकुमार यादव अब तक 199 छक्के जड़ चुके हैं. यानी इस खास पोजीशन पर 200 छक्के पूरे करने के लिए उन्हें सिर्फ 1 छक्के की जरूरत है. जैसे ही स्यक्ङ्क यह आंकड़ा छूते हैं वो नंबर 4 पर 200 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो जाएंगे. उनकी खासियत यह रही है कि वह मिडिल ऑर्डर में आते ही रन गति को बढ़ा देते हैं.

कप्तान के तौर पर भी बड़ा मुकाम करेंगे हासिल

सिर्फ बल्लेबाज़ ही नहीं, बल्कि कप्तान के रूप में भी सूर्यकुमार यादव लगातार खुद को साबित कर रहे हैं. टी20 इंटरनेशनल में कप्तान के तौर पर उनके नाम 49 छक्के दर्ज हैं. यानी 50 छक्कों का आंकड़ा छूने के लिए उन्हें 1 छक्के लगाने होंगे. यह उपलब्धि उन्हें उन कप्तानों की सूची में खड़ा कर देगी, जिन्होंने सीमित मैचों में ही आक्रामक बल्लेबाज़ी के दम पर बड़ा असर छोड़ा है.

सीरीज में शानदार प्रदर्शन

इस चल रही सीरीज में सूर्यकुमार यादव ने अपने पुराने रंग में वापसी की है. वह अब तक तीन मैचों की तीन पारियों में 19 चौके और 8 छक्कों की मदद से 171 रन बना चुके हैं और इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ भी हैं. उनके बाद इस लिस्ट में अभिषेक शर्मा का नाम है, जिन्होंने 3 मैचों में 152 रन बनाए हैं.

'मुझे हमेशा पता था कुणाल सबसे अलग हैं' - सोहा अली

बॉलीवुड में पसंदीदा कपल्स में से एक सोहा अली खान और कुणाल खेमू अक्सर चर्चाओं में रहते हैं। यह जोड़ी रविवार को शादी की 11वीं सालगिरह मना रही है। इस खास मौके पर सोहा ने अपने पति कुणाल खेमू के लिए एक भावुक और दिल छू लेने वाला पोस्ट लिखा।

सोहा ने अपनी पोस्ट में एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में कुणाल के बीते कई सालों के ऐसे पल शामिल थे, जिनमें वह कभी हंसते हुए, कभी मस्ती करते हुए और कभी बिल्कुल सादे अंदाज में नजर आ रहे हैं। वीडियो के साथ सोहा ने साल 1977 में रिलीज हुई फिल्म 'हम किसी से कम नहीं' का गाना 'ये लड़का हाय अल्लाह कैसा है दिवाना' का बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर इस्तेमाल किया। वीडियो साझा करते हुए सोहा ने कैप्शन में लिखा, ÷मुझे हमेशा से पता था कि कुणाल सबसे अलग हैं। 11 साल पहले हम दोनों ने साथ जिंदगी बिताने का फैसला किया था और आज भी मुझे लगता है कि यह कदम उठाने का फैसला मेरे जीवन का सबसे अच्छा फैसला है। हमारा रिश्ता समय के साथ और मजबूत हुआ है। हैप्पी एनिवर्सरी, मेरे कुणाल। अगर सोहा और कुणाल की प्रेम कहानी की बात करें, तो दोनों की पहली मुलाकात साल 2009 में फिल्म 'ढूंढते रह जाओगे' के सेट पर हुई थी।

'जब तक है जान' गाने में नंगे पांव धूप में नाची थीं हेमा मालिनी

फिल्म 'शोले' ने पिछले वर्ष अपनी रिलीज के 50 साल पूरे कर लिए। 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई यह फिल्म अपने समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल रही। फिल्म को दर्शकों के लिए अलग-अलग संस्करणों में भी प्रदर्शित किया गया था। हाल ही में 'शोले' की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर अभिनेत्री हेमा मालिनी और फिल्म निर्माता रमेश सिप्पी एक बार फिर साथ नजर आए। इस मौके पर अभिनेत्री के आवास पर फिल्म निर्माता की तस्वीर वाली एक विशेष पत्रिका के कवर का अनावरण किया गया, जिससे शोले की यादें फिर ताजा हो गईं।

हेमा मालिनी ने शोले से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि वह शोले के किरदारों को असल जिंदगी में जीते हुए देखना चाहती हैं। एक कल्पनात्मक कहानी का जिक्र करते हुए हेमा ने कहा, ÷ऐसा लगता है कि धरम जी और मैं शोले वाले अंदाज में शादी कर चुके हैं और गांव में खुशी-खुशी रह रहे हैं। गांव में अमित जी, ठाकुर और गब्बर भी हैं। मैं गांव में सबके घर जाकर खाना बनाती हूं, जबकि गब्बर समोसे बेचने की दुकान चलाता है। हेमा ने बताया कि यह कहानी उन्हें लड़कों के एक समूह ने सुनाई थी, जो उन्हें बेहद पसंद आई। बसंती के किरदार को लेकर रमेश सिप्पी ने बताया कि वह इससे पहले 'सीता और गीता' में हेमा मालिनी के साथ काम कर चुके थे। उन्होंने कहा कि बसंती का रोल अपेक्षाकृत छोटा था, इसलिए किसी बड़ी अभिनेत्री को यह रोल ऑफर करने में उन्हें हिचकिचाहट हो रही थी, लेकिन हेमा ने स्क्रिप्ट पढ़ते ही फिल्म के लिए हामी भर दी। फिल्म के लंबे संवादों को लेकर रमेश सिप्पी ने हेमा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी याददाश्त बेहद तेज थी और वह लंबे-लंबे डायलॉग भी आसानी से याद कर लेती थीं। वहीं हेमा मालिनी ने फिल्म के मशहूर गीत 'जब तक है जान' की शूटिंग से जुड़ा अनुभव साझा करते हुए बताया कि तेज धूप में गरम पत्थरों पर नंगे पांव नाचना बेहद मुश्किल था।

उन्होंने कहा, ÷मेरी मां इस बात को लेकर बहुत परेशान थीं और चाहती थीं कि मैं ऐसा न करूं, लेकिन यह सीन बेहद चुनौतीपूर्ण था और मैंने पूरी मेहनत से इसे पूरा किया।

अंकिता लोखंडे ने मनाया 'हल्दी-कुमकुम' का जश्न

टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे अपने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को हमेशा एंटरटेन करती रहती हैं। उनके पोस्ट से फैंस काफी मजा लेते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया। दरअसल, अभिनेत्री ने मकर संक्रांति के दौरान हल्दी-कुमकुम आयोजन किया था। हल्दी-कुमकुम एक प्रमुख पारंपरिक उत्सव है। इसमें विवाहित महिलाएं एक-दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाकर, तिल-गुड़ खिलाकर, और उपहार बांटकर सौभाग्य और समृद्धि की कामना करती हैं। यह उत्सव विशेषकर महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में आपसी सौहार्द, नारी शक्ति, और पारंपरिक गीतों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। अभिनेत्री ने इस आयोजन का वीडियो अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। आयोजन में अंकिता ने सभी शादीशुदा दोस्तों को घर बुलाया था और इस खास मौके पर सबने साथ मिलकर खुशियां मनाई। सबसे खास बात यह रही कि टीवी की मशहूर अभिनेत्री आरती सिंह भी इस आयोजन में शामिल हुई। दोनों दोस्तों ने मिलकर हंसी-मजाक किया और त्योहार की खुशियां बांटीं।

25 साल पूरे होने पर श्रिया सरन ने साझा किया अनुभव, बदला हुआ माहौल बताया बेहतर

अभिनेत्री श्रिया सरन ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं। इतने लंबे करियर में उन्होंने अलग-अलग भाषाओं, दौर और सिनेमा के बदलते स्वरूप को करीब से देखा है। इस अवसर पर श्रिया ने अपने फिल्मी सफर, इंडस्ट्री में आए बदलावों और मौजूदा दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की।

श्रिया सरन ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब फिल्म सेट्स का माहौल आज की तुलना में बिल्कुल अलग हुआ करता था। उस दौर में इस्तेमाल होने वाली तेज रोशनी आंखों को चुभती थी और कलाकारों को काफी असुविधा होती थी। कैमरे भारी होते थे और तकनीक सीमित थी। शूटिंग शुरू होने का अंदाजा कैमरे की आवाज से लगाया जाता था और कलाकारों को सेट पर लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था। उस समय काम में ज्यादा मेहनत और धैर्य की जरूरत होती थी। उन्होंने कहा कि आज तकनीक के कारण फिल्म इंडस्ट्री का माहौल काफी बदल चुका है। अब सॉफ्ट लाइट्स का इस्तेमाल होता है, जिससे आंखों पर असर नहीं पड़ता। कैमरे हल्के और अत्याधुनिक हो गए हैं, जिससे शूटिंग तेज और आसान हो गई है। इन बदलावों की वजह से कलाकार अपने अभिनय पर बेहतर ढंग से ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल पहले से कहीं ज्यादा आरामदायक हो गया है। श्रिया ने इंडस्ट्री के प्रोफेशनल सिस्टम में आए बदलावों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले कलाकारों को सिर्फ एक मैनेजर से ही तालमेल बैठाना होता था, लेकिन अब एजेंसियों का दौर है, जहां कई लोगों से बातचीत करनी पड़ती है। नई पीढ़ी नई सोच और नई जानकारी के साथ आगे बढ़ रही है। ऐसे में समय के साथ खुद को बदलना और नई चीजों को स्वीकार करना जरूरी हो गया है अपने 25 साल के सफर के उतार-चढ़ाव को याद करते हुए श्रिया ने कहा कि इतने लंबे करियर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं।

ऋषि कपूर और नीतू कपूर का आशीर्वाद मेरे शादीशुदा जिंदगी की नींव : रिद्धिमा कपूर साहनी

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी रविवार को शादी की 20वीं सालगिरह सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास दिन पर उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी शादी से जुड़ी अनदेखी यादें साझा कीं। रिद्धिमा कपूर ने अपनी शादी की 20वीं सालगिरह के मौके पर एक पुराना वीडियो साझा किया। वीडियो में वह मंडप की ओर बढ़ती नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके साथ उनके भाई रणबीर कपूर भी चलते नजर आ रहे हैं। वीडियो में शादी की रस्मों के साथ-साथ उस समय का भावनात्मक माहौल भी साफ महसूस किया जा सकता है। इस वीडियो के साथ रिद्धिमा कपूर ने दिल को छू लेने वाला संदेश भी लिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''20 साल पहले माता-पिता ऋषि कपूर और नीतू कपूर ने मेरा हाथ पकड़कर मुझे एक नई जिंदगी में कदम रखने के लिए विदा किया था। उन्होंने अपने प्यार, आशीर्वाद और दुआओं के साथ नए सफर पर भेजा। आज मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, उसकी नींव उनके संस्कार, प्यार और समर्थन से ही पड़ी है।''

अफसरों की गायकी ने नववर्ष मिलन समारोह में बांधा समां

नेहरू नगर में सजी खाकी और कलम की सुरीली दोपहर

भोपाल, यशभारत।

नेहरू नगर पुलिस लाइन का मैदान मंगलवार को यादगार सांस्कृतिक मिलन का केंद्र बन गया।भोपाल पुलिस द्वारा नववर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र की मेजबानी में राजधानी के पुलिस अधिकारियों और पत्रकारों ने एक साथ मिलकर नए साल का जश्न मनाया। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता रही काम के बोझ को किनारे रख, रिश्तों और कला को सम्मान दिया गया।

अनिल श्रीवास्तव के तरानों ने लूटी महफिल

समारोह की रौनक तब और बढ़ गई जब मशहूर गायक अनिल श्रीवास्तव ने अपनी आवाज़ का जादू बिखेरा। उन्होंने अपनी बेहतरीन गायकी और धुनों पर ऐसी महफिल सजाई कि उपस्थित पुलिस अधिकारी और पत्रकार मंत्रमुग्ध हो गए। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में एक पेशेवर संगीत संध्या जैसा रंग भर दिया। वर्दी के भीतर छिपा कलाकार आया सामने गायक अनिल श्रीवास्तव की धुनों के साथ कदम मिलाते हुए पुलिस विभाग के अधिकारियों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। क्राइम ब्रांच एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने अपनी सुरीली आवाज़ से सबको चौंका दिया। जीआरपी थाना प्रभारी ज़ाहिर खान और कई अन्य थाना प्रभारियों ने भी मंच संभाला और पुराने गीतों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। इस मौके पर मौजूद वरिष्ठ पत्रकारों ने भी अपना हुनर दिखाया, जिससे यह दोपहर एक साझा मंच बन गई। समारोह में यश भारत समाचार पत्र के संस्थापक आशीष शुक्ला सहित राजधानी के कई संपादक और वरिष्ठ पत्रकार शामिल हुए। पुलिस प्रशासन की ओर से चारों जोन के डीसीपी, एडिशनल डीसीपी, ट्रैफिक डीसीपी और सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त ने सभी का स्वागत किया और समाज के इन दो महत्वपूर्ण अंगों के बीच बेहतर तालमेल की सराहना की। पुलिस आयुक्त ने पत्रकारों और अधिकारियों से भेंट कर नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और वन-टू-वन संवाद के माध्यम से मीडिया और पुलिस के बीच समन्वय, सूचना संप्रेषण की भूमिका और जनहित से जुड़े विषयों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा की। उन्होंने आपसी विश्वास, पारदर्शिता और सकारात्मक सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। समारोह का उद्देश्य पुलिस और मीडिया के बीच समन्वय को प्रगाढ़ करना, सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देना और सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी सहभागिता को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम गरिमामय और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

जीआरपी की नई पहल से बदलेगी रेलवे पुलिसिंग

स्मार्ट तकनीक से सुरक्षित हुए रेलवे स्टेशन

भोपाल, यशभारत।

रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा अब केवल मौजूदगी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि तकनीक, डेटा और स्मार्ट सिस्टम के ज़रिये हर गतिविधि पर पैनी नज़र रखी जाएगी। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर जीआरपी द्वारा शुरू की गई नई व्यवस्था इसी सोच का परिणाम है। यहां अब डिजिटल निगरानी, स्मार्ट इन्वेस्टिगेशन और नागरिक-अनुकूल सेवाओं के ज़रिये यात्रियों की सुरक्षा को नई मजबूती दी जा रही है। यह बदलाव भवन निर्माण से अधिक, पुलिसिंग के तरीके और कार्यप्रणाली में नवाचार को दर्शाता है।

जीआरपी पुलिसिंग को आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से स्टेशन पर स्मार्ट इन्वेस्टिगेशन सिस्टम लागू किया गया है। उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरों से स्टेशन परिसर की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। इन कैमरों को इस तरह स्थापित किया गया है कि संदिग्ध गतिविधियों, भीड़ प्रबंधन और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई संभव हो सके। रिकॉर्डेड फुटेज को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखा जा रहा है, जिससे किसी भी घटना की जांच तेज़ और निष्पक्ष तरीके से की जा सके।

नवाचार का दूसरा अहम पहलू साइबर और डिजिटल संसाधनों का उपयोग है। अब शिकायतों और मामलों का रिकॉर्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संधारित किया जा रहा है। इससे दस्तावेज़ों के रखरखाव में पारदर्शिता बढ़ेगी और जानकारी तक तुरंत पहुंच सुनिश्चित होगी। साइबर एक्सपर्ट्स की मदद से ऑनलाइन अपराधों, टिकट धोखाधड़ी, मोबाइल चोरी और डिजिटल फ्रॉड जैसे मामलों पर भी प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नागरिक-अनुकूल सेवाओं को भी प्राथमिकता दी गई है। शिकायत निवारण की प्रक्रिया को सरल और तेज़ बनाया गया है, ताकि फरियादियों को अनावश्यक इंतज़ार न करना पड़े। अब हर शिकायत का डिजिटल ट्रैक रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा, जिससे पीड़ित को कार्रवाई की स्थिति की जानकारी मिल सकेगी। यह व्यवस्था पुलिस और आमजन के बीच भरोसे को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। अब तक सीमित संसाधनों और कम जगह में संचालित व्यवस्था के कारण पुलिसकर्मियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी परेशानी होती थी। नई तकनीकी पहल से न केवल कार्यक्षमता बढ़ी है, बल्कि कामकाज का तरीका भी व्यवस्थित और परिणामोन्मुख हुआ है।

पुलिस अधिकारियों ने लोगों के दिया तीन दिन का आश्वासन

एसआई के खिलाफ सड़क पर उतरीं महिलाएं, जमकर हुआ हंगामा

भोपाल,यशभारत।

शाहजहानाबाद थाना अंतर्गत ईदगाह हिल्स पुलिस चौकी के एसआई महादेव परिहार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस अधिकारियों ने लोगों को तीन दिन में जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। सोमवार को स्थानीय रहवासियों ने एसआई परिहार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कई गंभीर आरोप लगाए थे। लोगों का कहना था कि एसआई द्वारा अवैध वसूली और फरियादी के साथ मारपीट की गई है। प्रदर्शन महिलाओं ने सडक़ पर बैठकर भजन गाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

फरियादी को ही बना दिया अपराधी

भाजपा गुरुनानक मंडल के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया कि एसआई महादेव परिहार लंबे समय से क्षेत्र के निर्दोष लोगों को डरा-धमकाकर अवैध वसूली कर रहा है। ताजा विवाद तब बढ़ा जब संजय राठौर नामक व्यक्ति किसी मामले की शिकायत लेकर थाने पहुंचा था। आरोप है कि एसआई परिहार ने न्याय देने के बजाय फरियादी संजय के साथ ही मारपीट शुरू कर दी। इतना ही नहीं, पुलिस ने उल्टा फरियादी पर ही धारा 151 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर उसे अपराधी बना दिया।

सडक़ पर भजन और नारेबाजी

घटना से आक्रोशित क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में ईदगाह हिल्स पुलिस चौकी पहुंचे और मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली से नाराज महिलाओं ने बीच सडक़ पर बैठकर भजन गाए और एसआई के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती, उनका विरोध जारी रहेगा।

डीसीपी को सौंपा ज्ञापन, बर्खास्तगी की मांग

भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा, एसआई परिहार बिना किसी कारण के लोगों को थाने लाकर उन पर दबाव बनाता है और पैसों की मांग करता है। हमने इस मामले में डीसीपी को आवेदन देकर दोषी एसआई को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मामले की जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन इस घटना ने भोपाल पुलिस की छवि पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग पर बैंककर्मियों ने की हड़ताल

भोपाल, यश भारत। पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग को लेकर मंगलवार को मध्यप्रदेश में बैंकिंग सेवाएं पूरी तरह प्रभावित रहीं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर प्रदेश के करीब 40 हजार बैंककर्मी हड़ताल पर रहे, जिससे 7 हजार से अधिक बैंक शाखाओं में ताले लटके नजर आए। हड़ताल के चलते एक ही दिन में लाखों-करोड़ों रुपये के बैंकिंग कारोबार पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रदेश की राजधानी भोपाल के साथ इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर सहित अन्य जिलों में भी बैंकों में लेन-देन ठप रहा। चेक क्लियरेंस, नकद जमा-निकासी और अन्य नियमित बैंकिंग कार्य प्रभावित हुए। कई स्थानों पर एटीएम में नकदी की कमी की स्थिति भी बन सकती है।

भोपाल में रैली और सभा

भोपाल के एमपी नगर क्षेत्र में सरकारी प्रेस के पास पंजाब नेशनल बैंक शाखा के सामने बैंककर्मियों ने रैली निकाली, जिसके बाद सभा का आयोजन किया गया। सभा में बड़ी संख्या में बैंककर्मी शामिल हुए और पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर नारेबाजी की। बैंककर्मियों का कहना है कि सप्ताह में पांच दिन कार्य करने की व्यवस्था से कार्य-जीवन संतुलन बेहतर होगा और कर्मचारियों पर बढ़ते काम के दबाव में कमी आएगी। यूनियनों ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। हड़ताल के कारण आम उपभोक्ताओं को दिनभर परेशानी का सामना करना पड़ा, वहीं व्यापारिक गतिविधियों पर भी असर साफ नजर आया।

एक नाबालिग हिरासत में, मुख्य आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर फरार

बैटरी के लालच में चुराया ई-रिक्शा, पुलिस ने 72 घंटे में दबोचा

भोपाल, यशभारत।

राजधानी के शाहजहाँनाबाद थाना इलाके में सक्रिय वाहन चोरों के खिलाफ पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने महज तीन दिन पहले चोरी हुए एक ई-रिक्शा को बरामद कर लिया है। शातिर चोर ई-रिक्शा की कीमती बैटरियों को निकालने और उन्हें बेचने की फिराक में थे। मामले में पुलिस ने एक विधि विरुद्ध बालक (नाबालिग) को हिरासत में लिया है, जबकि उसका साथी पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहा।

चार्जिंग पर लगा था वाहन

मिली जानकारी के अनुसाहर मदर इंडिया कॉलोनी निवासी गुफरान खान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 23 जनवरी की रात उन्होंने अपना ई-रिक्शा घर के बाहर चार्जिंग पर लगाया था। सुबह करीब 7 बजे जब ड्राइवर पहुंचा तो रिक्शा गायब था। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी उमेश पाल सिंह चौहान ने बताया कि पुलिस ने घचनास्थल के पास लगे कैमरों के फुटेज निकाल कर मुखबिर की सूचना के अधार पर एमपी नगर इलाके से घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ने गये। जिन्हे देख मुख्य. आरोपी भाग गया। वही पुलिस ने पुलिस ने बरामद किया। है। पुलिस ने मौके से रिक्शा जब्त कर साथ मौजूद नाबालिग को पकड़ लिया।

मैदान में खिलाड़ी नहीं, देश का भविष्य दौड़ता है- मुख्यमंत्री

भोपाल, यशभारत।

राज्य स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स-2026 का हुआ शुभारंभ

मध्यप्रदेश में पारम्परिक और आधुनिक दोनों प्रकार के खेलों की समृद्ध परम्परा है। खेलो एमपी यूथ गेम्स केवल एक स्पर्धा नहीं है, खेल महोत्सव है और यह महोत्सव हमारी उसी समृद्ध परम्परा का एक रिवीजन है। जब किसी मैदान में कोई खिलाड़ी अपना पसीना बहाता है, दौड़ता है, भागता है, परिश्रम करता है, तो उस मैदान में खिलाड़ी नहीं देश का सुनहरा भविष्य दौड़ता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राज्य स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स के शुभारंभ अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम में मौजूद सभी से अपने मोबाइल टार्च से रौशनी कराकर और भारत माता की जय के गगन भेदी नारे लगवाकर सबकी

सामूहिक सहभागिता में खेलो एमपी यूथ गेम्स का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स - 2026 के शुभारंभ अवसर पर अपनी परफॉर्मेंस देने भोपाल आए पद्मश्री अवार्डी, सूफी गायक एवं लोक संगीतकार श्री कैलाश खेर को पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत-अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में 'मैदान से मैडल तक' नामक एक विशेष नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसमें खेलों से भविष्य बनाने में खिलाि?यों के संघर्ष, परिश्रम और निष्ठा को प्रदर्शित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार परम्परागत खेलों को भी बढ़ावा दे रही है। पहली बार कबड्डी, खो-खो, मलखम्भ, पिट्ठू, रस्साकशी जैसे पारम्परिक ग्राम्य खेलों के अलावा थ्रो बॉल और क्रिकेट भी खेलो एमपी यूथ गेम्स में शामिल किये गये हैं। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में खेलों के जरिए स्पोर्टस टूरिज्म को ब?ावा देने एवं प्रदेश को स्पोर्टस हब बनाने के लिए राज्य सरकार भोपाल के नाथू बरखे?ा में लगभग एक हजार करो? रुपए की लागत से इंटरनेशनल स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स का निर्माण करा रही है। यह इंटरनेशनल स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स बनने के बाद हमारा भोपाल झीलों के शहर के उपनाम सहित 'खेलों के शहर' के नाम से भी जाना जाएगा। खेलो एमपी यूथ गेम्स-2026 के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय युवा कल्याण एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया के वीडियो शुभकामना संदेश का प्रसारण भी किया गया। केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा कि बेहद कम समय में करीब एक लाख खिलाडिय़ों को खेलो एमपी यूथ गेम्स से जो?ा गया है। यह केवल मध्यप्रदेश में ही संभव है। उन्होंने कहा कि यह गेम्स विकसित और सशक्त भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव और खेल विभाग को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि विकास और कल्याण की जो धारा प्रधानमंत्री ने बहाई है, वही धारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश में बहा रहे हैं। प्रदेश के गांव से लेकर शहर, शहर से लेकर खेत, खेत से लेकर खलिहान, युवा से लेकर महिला, महिला से लेकर मजदूर, मजदूर से लेकर किसान हर क्षेत्र में विकास और कल्याण की स्थापना मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में हो रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. करौंद बाईपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित , इंगेज मीडिया प्राईवेट लिमिटेड , 3 इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीष तिवारी *, सलाहकार संपादक श्याम कटारे।
फोन - 9111201000, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2015/60766- email - bhopalyashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)